RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:249 ता. 30 मार्च 2023, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

कर्नाटक के बीजेपी विधायक मदल विरुपक्षप्पा को पांच दिन की हिरासत में भेजा, रिश्वत कांड में हुए थे गिरफ्तार

कर्नाटक। रिश्वत मामले में फंसे कर्नाटक के बीजेपी विधायक विरुपक्षप्पा को एक विशेष अदालत ने 5 दिन की लोकायुक्त पुलिस हिरासत में भेज दिया है। जज बी जयंत कुमार ने उनको पांच दिन की लोकायुक्त पुलिस हिरासत में भेजे जाने का आदेश दिया है।

कर्नाटक हाई कोर्ट ने खारिज की जमानत अर्जी

इससे पहले कर्नाटक हाई कोर्ट द्वारा बीजेपी विधायक की जमानत अर्जी खारिज कर दी गई थी। बता दें कि विधायक विरुपक्षप्पा को रिश्वत मामले में 27 मार्च को तुमकुरु के क्याथासंद्रा टोल प्लाजा के पास से गिरफ्तार किया गया था। भाजपा विधायक को उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वह एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद चन्नागिरी से बेंगलुरू जा रहे थे।

पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेजा

हालांकि, विधायक के वकीलों ने स्वास्थ्य आधार पर जमानत का अनुरोध किया था, लेकिन लोकायुक्त पुलिस ने दस दिन की हिरासत मांगी। पूछताछ में उनकी मौजूदगी को देखते हुए कोर्ट ने पांच दिन की हिरासत मंजूर कर ली है। लोकायुक्त पुलिस ने विधायक के बेटे मादल प्रशांत को गिरफ्तार करने के बाद जांच शुरू की, जिसमें वह मुख्य आरोपी हैं।

विधायक मदल विरुपक्षप्पा के बेटे को किया था गिरफ्तार

बता दें कि भाजपा विधायक मदल विरुपक्षप्पा के बेटे को 3 मार्च को 40 लाख रुपये की रिश्वत लेते समय गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद 9 मार्च को बेंगलुरु में लोकायुक्त के सामने पेश किया गया। लोकायुक्त की भ्रष्टाचार रोधी शाखा ने उनके बेटे प्रशांत मदल को 40 लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

राजस्थान में चुनाव से पहले गहलोत ने चला 'मास्टरस्ट्रोक', सबसे करीबी मंत्री ने ही कर दिया विरोध

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधानसभा चुनाव से पहले 19 नए जिले और 3 संभाग बनाने का ऐलान किया तो शायद उन्होंने सोचा नहीं होगा कि उनके करीबी ही सवाल उठा देंगे। प्रताप खाचरियावास ने किया विरोध।

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधानसभा चुनाव से पहले 19 नए जिले और 3 संभाग बनाने का ऐलान किया तो शायद उन्होंने सोचा नहीं होगा कि उनके करीबी ही सवाल उठा देंगे। राजधानी जयपुर को दो हिस्सों में बांटने के फैसले पर गहलोत के करीबी मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने ऐतराज जता दिया है। खाद्य मंत्री ने खुलकर इसका विरोध करते हुए कहा है कि उन्हें यह पसंद नहीं आया है। उन्होंने कहा कि जयपुर को जयपुर उत्तर और जयपुर दक्षिण में बांटना जनता को भी रास नहीं आ रहा है। खाचरियावास का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह कह रहे हैं कि जयपुर को बंटने नहीं दिया जाएगा। सरकार के फैसले पर खुलकर ऐतराज जाहिर करते हुए उन्होंने कहा, %जयपुर तो जयपुर ही रहेगा। मैं जयपुर का बेटा हूं। जयपुर का जनप्रतिनिधि हूं। जयपुर से मंत्री हूं। जयपुर के सारे विधायक चाहते हैं कि जयपुर, जयपुर ही रहे।% उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री ने घोषणा की तो उन्होंने यह थोड़ी ना कहा कि किसमें क्या होगा, अब बनना है सारा स्वरूप। सब ठीक कर देंगे। जयपुर उत्तर और जयपुर दक्षिण, यह मुझे भी पसंद नहीं आ रहा है। जयपुर एक रहे और अधिकारी अलग-अलग बैठें। ऐसा कुछ करेंगे।

खाचरियावास ने एक अखबार से बातचीत में कहा, %जयपुर को उत्तर और दक्षिण में नहीं बांटा जाएगा। शहर की अपनी अलग पहचान और दुनियभर में अतिथि सत्कार, इमारतों और जगहों को लेकर मशहूर है। मैं मानता हूं कि घोषणा हुई लेकिन अभी कोई नोटिफिकेशन नहीं निकला है। जब तक जनता, हितधारकों और चुने हुए जनप्रतिनिधियों से बातचीत नहीं होती, तब तक कोई बदलाव नहीं होगा।% गौरतलब है कि मुख्यमंत्री की ओर से घोषणा किए जाने के बाद से ही जयपुर में विरोध शुरू हो गया है। नागरिक समूहों ने जयपुर को एक रखने की मांग करते हुए हस्ताक्षर अभियान शुरू कर दिया है। कांग्रेस के

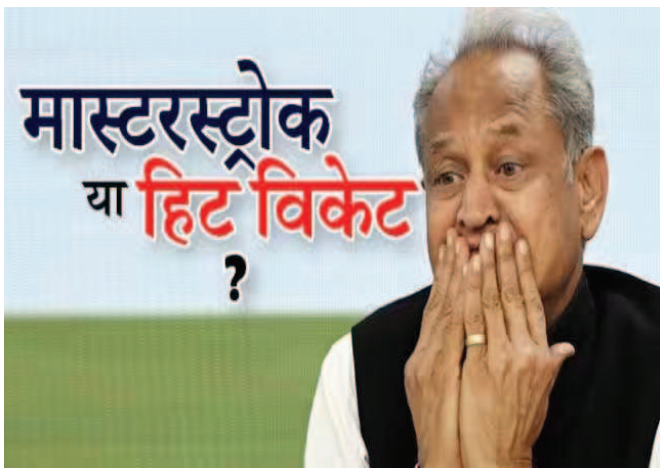

नेता और पूर्व नौकरशाह भी सरकार से फैसला बदलने की मांग कर रहे हैं।

उद्धव ठाकरे की चेतावनी से सहमी कांग्रेस! सावरकर पर चल दिया नए प्रस्ताव का दांव

जयपुर को दो हिस्सों में बांटने के खिलाफ कैंपने की अगुआई भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी कर रहे हैं, जिन्होंने अलग-अलग समूहों के साथ बैठक की है। उन्होंने कहा, %जयपुर का का गठन राजा सवाई मान सिंह ने करीब 300 साल पहले किया था और इसे एक ही रहना चाहिए। इसमें किसी तरह का बदलाव यहां के लोगों, संस्थापकों और लोगों के विश्वास का अपमान होगा। ऐतिहासिक इमारत जैसे गोविंद देव मंदिर, डोंगरी मंदिर, शाही मस्जिद और गुरुद्वारा जयपुर में हैं और इसे उत्तर-दक्षिण में नहीं बांटना चाहिए।% उन्होंने यह भी साफ किया कि वह जयपुर के निवासी के तौर पर इस मुहिम की अगुआई कर रहे हैं।

विरोध करना नागरिक का अधिकार, अशांति फैलाने का हक किसी को नही

नई दिल्ली। जामिया हिंसा मामले में शरजील इमाम, सफूरा जरगर और सात अन्य आरोपियों को बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय से बड़ा झटका लगा। उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के आरोपमुक्त करने के फैसले को पलट दिया। उच्च न्यायालय ने आरोप तय करने का आदेश देते हुए कहा कि बेशक विरोध करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है, लेकिन अशांति फैलाने का हक किसी को नहीं है। इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने दिल्ली पुलिस की पुनरीक्षण याचिका को मंजूर करते हुए माना कि निचली अदालत के फैसले में विसंगति थी। आरोप के स्तर पर प्रथमदृष्टया साक्ष्यों का अध्ययन किया जाता है। ऐसे में पूरे मामले को खारिज करना किसी भी तरह जायज नहीं माना जा सकता। जब रिकॉर्ड पर वह वीडियो मौजूद थे, जिनमें आरोपी नजर आ रहे थे, तो ऐसे में पुलिस ने बलि का बकरा बनाया जैसे शब्दों के साथ निर्णायात्मक टिप्पणी उचित नहीं थी। विरोध के लिए शांतिपूर्ण तरीके से एकत्रित होने का अधिकार भी प्रतिबंध के अधीन होता है। इसके लिए इजाजत लेना अनिवार्य है, लेकिन इस विरोध प्रदर्शन के लिए आरोपियों ने कोई अनुमति नहीं ली थी।

उच्च न्यायालय ने माना कि जिस सभा के बाद जामिया इलाके में दंगे फैले थे, उसमें आरोपी गैरकानूनी सभा का हिस्सा थे। उन्होंने नारेबाजी और पुलिस बल पर हमला किया। बैरिकेडस पर चढ़कर पुलिस को चुनौती दी गई। ऐसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम को खारिज नहीं किया जा सकता।

13 दिसंबर 2019 को मार्च के दौरान जामिया में भीड़ उग्र हो गई थी

53 पन्नों में हाईकोर्ट की ओर से अपना आदेश दर्ज किया गया

नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर के विरोध में 13 दिसंबर 2019 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया से शुरू मार्च के दौरान भीड़ उग्र हो गई थी। इसमें पुलिस पर पथराव हुआ था। कई जगह आगजनी की गई थी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई में आंसू गैस समेत अन्य कार्रवाई की थी। शुरुआत में मामले की जांच जामिया नगर थाना पुलिस ने की थी।

नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे के काम में ढिलाई, फिर फेल हुई डेडलाइन; कंपनी पर लगा जुर्माना

नोएडा। नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे की मरम्मत का काम कर रही सीएस इंफ्रा कंस्ट्रक्शन कंपनी पर देरी से काम करने के चलते नोएडा प्राधिकरण ने एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। जुर्माना लगाने के साथ ही 31 मार्च 2023 तक काम पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। ग्रेटर नोएडा से नोएडा की ओर आने वाले एक्सप्रेसवे रास्ते पर करीब ढाई किलोमीटर हिस्से में मरम्मत का काम बचा हुआ है। इसके अलावा मार्किंग की जानी है। इसकी मरम्मत का काम जनवरी 2021 में शुरू हुआ था जो दो जून 2021 तक पूरा होना था। कंपनी की लापरवाही के कारण काम में लगातार देरी होती चली गई, जिसका खामियाजा वहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को उठाना पड़ रहा है। निर्माण कार्य के कारण रोजाना जाम की समस्या हो रही है। गुरुवार को ही नोएडा प्राधिकरण की सीईओ ने अधिकारियों को मरम्मत का काम 31 मार्च तक पूरा कराने के निर्देश दिए थे। इसके अगले दिन ही शुक्रवार को कंपनी की तरफ से प्राधिकरण अधिकारियों को बताया गया कि 31 मार्च तक संभव नहीं है। काम पूरा करने के लिए 15 अप्रैल तक का समय चाहिए। ऐसे में प्राधिकरण ने कंपनी पर एक करोड़ रुपये का जुर्माना और लगाया है। अधिकारिक रूप से 13वीं डेडलाइन पर भी काम पूरा नहीं होने पर प्राधिकरण बार-बार परियोजना के लिए डेडलाइन बढ़ाता गया। प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक केवी सिंह ने बताया कि अधिकारिक रूप से अभी तक 12 डेडलाइन दी गई थी। इस दौरान लगातार काम समय पर पूरा नहीं किया गया। अब 13वीं डेडलाइन के रूप में 31 मार्च तक का समय दिया है। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बैठक करके निर्माण कंपनी को इसे इस बार हर हालत में समय पर पूरा करने के निर्देश दिया है।

अभी तक निर्माण की ये डेड-लाइन रखी गई थी

02 जून 2021	31 मार्च 2022
30 जून 2021	30 अप्रैल 2022
31 जुलाई 2021	30 जून 2022
30 सितंबर 2021	30 सितंबर 2022
31 दिसंबर 2021	30 नवंबर 2022
30 जनवरी 2022	20 दिसंबर 2022

हॉट-इन-प्लेस तकनीक से चल रहा काम-एक्सप्रेसवे की मरम्मत का काम हॉट-इन-प्लेस तकनीक पर चल रहा है। इसके तहत सड़क पर पूरी नई लेयर बिछाने के बजाए पुरानी लेयर को ही उखाड़ा जा रहा है। इसमें प्रयोग होने वाली सामग्री को नई बिटुमिन में मिलाकर प्लांट में उसे तैयार किया जाता है।

नकली दवाइयां बनाने वाली 18 फार्मा कंपनियों के लाइसेंस किए गए रद्द

नई दिल्ली। नकली दवाओं के निर्माण से जुड़ी देश भर की फार्मा कंपनियों पर केन्द्र सरकार ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 18 फार्मा कंपनियों के लाइसेंस रद्द कर दिए हैं। भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) ने 20 राज्यों के 76 दवा कंपनियों का निरीक्षण किया था। डीसीजीआई के सूत्रों के अनुसार नकली दवाओं पर कार्रवाई के दौरान हिमाचल प्रदेश में 70 कंपनियां, उत्तराखंड में 45 कंपनियां और मध्य प्रदेश में 23 कंपनियों पर कार्रवाई की गई है। जानकारी के अनुसार डीसीजीआई की ओर से इस दिशा में कार्रवाई जारी है। लिहाजा फार्मा कंपनियों की संख्या बढ़ भी सकती है।

दिल्ली में कोरोना विस्फोट; 24 घंटे में 214 नए केस, 100 में से 12 सैंपल मिल रहे पॉजिटिव

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना की डराने वाली स्पीड देखने को मिल रही है। दिल्ली में बीते 24 घंटे में 214 नए मामले सामने आए है। चिंता की बात यह कि पॉजिटिविटी रेट में तेज उछाल दर्ज किया गया है। यह 11.88 फीसदी पर जा पहुंची है। हालांकि राहत की बात यह कि राष्ट्रीय राजधानी में बीते 24 घंटों में कोरोना से एक भी मौत दर्ज नहीं की गई है। दिल्ली स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी बुलेटिन में कहा गया है कि बीते 24 घंटों में 1,811 स्वाब नमूनों का परीक्षण किया गया। इसमें से 214 नमूने कोविड-19 पाए गए। दिल्ली में मौजूदा वक्त में 671 सक्रिय मामले हैं। दिल्ली में पॉजिटिविटी रेट बढ़ गई है और हर 100 में से 12 नमूने पॉजिटिव पाए जा रहे हैं।

● दिल्ली में कोरोना की डराने वाली स्पीड देखने को मिल रही है। दिल्ली में बीते 24 घंटे में 214 नए मामले सामने आए है। चिंता की बात यह कि पॉजिटिविटी रेट में तेज उछाल दर्ज किया गया है।

दिल्ली स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, पिछले 24 घंटों में कुल 81 कोविड मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही दिल्ली में कोरोना को मात देने वालों की कुल संख्या बढ़कर 19,81,866 हो गई है। राष्ट्रीय राजधानी में महामारी के आने से अब तक कोविड-19 से 26,524 लोगों की जान जा चुकी है। राष्ट्रीय राजधानी में टीकाकरण अभियान के तहत लोगों को अब तक कुल 3,74,04,495 टीके की खुराक दी जा चुकी है। बीते 24 घंटों में 151 खुराक लगाई गई है। इससे पहले, शुक्रवार को दिल्ली में कोरोना के 152 नए मामले दर्ज किए गए थे। दिल्ली में पिछले साल सितंबर के बाद मंगलवार को पहली बार कोविड-19 के मामलों में इतना बड़ा उछाल दर्ज किया गया है। दिल्ली में रविवार को 9.13 प्रतिशत की पाजिटिविटी रेट देखी गई थी। दिल्ली में रविवार को कोविड के 153 नए मामले दर्ज किए गए थे। गौर करने वाली बात यह कि दिल्ली में कोरोना के मामलों में यह उछाल देश में एच3एन2 इन्फ्लुएंजा के मामलों में तेज वृद्धि के बीच देखा जा रहा है। दिल्ली में बीते कुछ महीनों में नए मामलों की संख्या में भारी गिरावट देखी गई थी। महामारी फैलने के बाद पहली बार 16 जनवरी को दिल्ली में कोई नया केस नहीं पाया गया था लेकिन अब एकबार फिर कोविड के केस बढ़ने लगे हैं।

दिल्ली-एनसीआर में सुबह धूप खिली पर जल्द बदल जाएगा मौसम, इस दिन से बारिश के आसार

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में बुधवार की सुबह मौसम सामान्य रहा। आसमान साफ रहा और धूप भी खिली। लेकिन मौसम विभाग की मानें तो जल्द ही दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई हिस्सों में मौसम एक बार फिर करवट बदल सकता है। आज राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में न्यूनतम तापमान 17 डिग्री और अधिकतम तापमान आज 32 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से राजधानी दिल्ली के मौसम में बुधवार के बाद बदलाव देखने को मिलेगा। दिल्ली और आसपास के इलाके में गुरुवार और शुक्रवार को बूंदाबांदी होने के आसार हैं। दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में मंगलवार तेज धूप निकली थी। दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरंजग में दिन का अधिकतम तापमान 31.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य है। जबकि, न्यूनतम तापमान 15.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से तीन डिग्री नीचे है।

मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को हवा की गति आठ से 12 किमी घंटे तक चल सकती है। वहीं गुरुवार और शुक्रवार को बूंदाबांदी हो सकती है। मौसम के कारकों के चलते दिल्ली की हवा लगातार साफ-सुथरी बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक मंगलवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 147 के अंक पर रहा। मौसम विभाग की मानें तो 29 मार्च की रात से ही उत्तर पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में बारिश की गतिविधियां नजर आने लगेंगी। उत्तर पूर्वी भारत और पूर्वी भारत में 30 मार्च से बारिश का दौर शुरू हो सकता है। राजधानी दिल्ली के कई इलाकों में गुरुवार और शुक्रवार को आसमान में काले बादलों का डेरा रह सकता है। इसके अलावा बूंदाबांदी भी हो सकती है। गाजियाबाद में आज न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

दिल्ली से सटे हरियाणा के गुरुग्राम में भी 30-31 मार्च और 01 अप्रैल को बारिश देखने को मिल सकती है। इस दौरान यूपी की राजधानी लखनऊ में धूल भरी आंधी चलने का भी पूर्वानुमान है। 30 मार्च की शाम से गुजरात के कुछ हिस्सों में भी बारिश का अनुमान जताया गया है। स्काईमेट वेदर ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि आज अरुणाचल प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इसके अलावा पूर्वोतर भारत, तटीय ओडिशा और दक्षिण तमिलनाडु में हल्की बारिश हो सकती है। 30 मार्च की शाम से उत्तर पश्चिम और मध्य भारत में बारिश और गरज के साथ बौछारें शुरू हो सकती हैं।

बधाई हो.....नामीबिया से आई मादा चीता ने दिया चार बच्चों को जन्म

-कूनो नेशनल पार्क से आई अच्छी खबर

श्योपुर । मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क से बुधवार को अच्छी खबर आई है। नामीबिया से आई मादा चीता ने चार बच्चों को जन्म दिया है। केंद्रीय वन और पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने भी ट्वीट कर इस पर खुशी जाहिर की है। मादा चीता सियाया ने चार बच्चों को जन्म दिया है। वाइल्ड लाइफ एक्सपर्ट की टीम ने भी बाड़े में जाकर इसकी पुष्टि की। सियाया बाड़ा नंबर 4 में है। जानकारी के मुताबिक सियाया ने दो दिन पहले इन शावकों के जन्म दिया है। पिछले साल सितंबर महीने में नामीबिया से आठ चीते भारत लाए गए थे। इन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने जन्मदिन 17 सितंबर को कूनो नेशनल पार्क में छोड़ा था। इसमें से एक मादा चीता की सोमवार को मौत हो गई। वह किडनी की बीमारी से पीड़ित थी। जानकारी के मुताबिक भारत लाने से पहले ही मादा चीता को यह समस्या थी। जनवरी महीने में उसकी बीमारी के बारे में पता चलने के बाद विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उसका इलाज कर रही थी, लेकिन मादा चीता को बचाया नहीं जा सका। इसके बाद से भारत सरकार के प्रोजेक्ट चीता पर सवालिया निशान खड़ा हो रहे थे। इस बीच चार शावकों के जन्म से इस प्रोजेक्ट से संदेह के बादल हटने में मदद मिलेगी। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने शावकों के जन्म पर खुशी जाहिर है।

अतीक को उम्रकैद की सजा सुनने वाले जज को वाई कैटिगरी की सुरक्षा

-फैसले के बाद शासन ने उठाया कदम

प्रयागराज । कुख्यात माफिया अतीक अहमद को उम्रकैद की सजा सुनाने वाले जज दिनेश चंद्र शुक्ला की सुरक्षा बढ़ाई गई है। नई व्यवस्था के अनुसार जज शुक्ला को वाई कैटिगरी की सुरक्षा दी गई है। अतीक अहमद को सजा सुनाने के बाद शासन की ओर से यह कदम उठाया गया है। इससे पहले मंगलवार को सजा सुनाने के लिए आ कोर्ट आ रहे जज को पुलिस सुरक्षा मिली थी। जस्टिस शुद?ला रायबरेली के रहने वाले हैं। वह 2009 बैच के जुडिशरी सर्विस के अधिकारी है। उनका जन्म 1 जनवरी 1968 को हुआ था। न्यायिक सेवा में आने के बाद उन्होंने भदौही से जुडिशल मैजिस्ट्रेट के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद साल 2011 में वह प्रयागराज में अडिशनल सिविल जज बने। उमेश पाल की हत्या के बाद यह मामला बहुत चर्चित हो गया था। जनता में आक्रोश था, उमेश पाल का परिवार भी कड़ी से कड़ी सजा की मांग कर रहा था। जब अतीक अहमद को गुजरात की साबरमती जेल से प्रयागराज की नैनी जेल लाया गया तब भी रास्ते भर उसी पर निगाहें रहीं। इसके बाद मंगलवार सुबह से फैसला आने तक पूरे देश का मीडिया संभावित फैसले पर चर्चा कर रहा था।

एलओसी से लगे गांवों में लोगों को हथियार चलाने का प्रशिक्षण दे रही सीआरपीएफ

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के हालात में पहले की अपेक्षा काफी सुधार आया है, लेकिन अभी भी कुछ क्षेत्र हैं, जो काफी संवेदनशील माने जाते हैं। जैसे एलओसी से लगे राजौरी जिले में कई गांव हैं, जहां आतंक का खतरा बना रहता है। इस साल जनवरी महीने में राजौरी के एक गांव डांगरी में हमला हुआ था। उसके बाद से सुरक्षा बलों की संख्या यहां बढ़ाई गई है, लेकिन गांव वालों के मन में व्याप्त भय को देखकर सीआरपीएफ ने एक अभिनव पहल करते हुए स्थानीय ग्रामीणों को हथियार चलाने का प्रशिक्षण देना शुरू किया जिसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिले हैं। स्थानीय लोग बड़ी संख्या में सीआरपीएफ के प्रशिक्षण सत्र में शामिल होते हैं और हथियार चलाना सीखने के बाद उनका आत्मविश्वास बढ़ा है जिसके चलते वह सिर्फ अपने गांवों की ही नहीं बल्कि देश की सुरक्षा करने के लिए तैयार हैं। आतंकी हमले के पीड़ितों ने धमकी दी है कि अगर सरकार हमलावरों को पकड़ने और उन्हें न्याय दिलाने में नाकाम रही तो वे अपने गांव से किसी 'सुरक्षित' जगह पर चले जाएंगे और अनुग्रह राशि वापस कर देने वाले हैं। गौरतलब है कि आतंकवादियों ने एक जनवरी को जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के डांगरी गांव में हमला किया था और ग्रामीणों को निशाना बनाया था। इस हमले में सात लोगों की मौत हो गई थी जबकि 14 अन्य घायल हो गए थे।

साइबर ठग पहले आपके खाते में पैसा डालते हैं, फिर गलती से गए कहकर लोगों को चूना लगा रहे

नई दिल्ली । अगर आप भी लेनदेन करने के लिए डिजिटल पेमेंट करते हैं, तब आपको सतर्क होने की जरूरत है। साइबर ठगों ने यूपीआई पेमेंट करने वाले यूजर्स का खाता खाली करने को अब नया तरीका निकाला है। आपको जानकार हैरानी होगी कि मुंबई में 16 दिनों में ही ठगी के इस नए तरीके से 81 लोगों के खाते से 1 करोड़ रुपये निकाल लिए हैं। जालसाज पैसे भेजने का झांसा देकर लोगों से ठगी कर रहे हैं। यूपीआई पेमेंट आज भारत में सबसे ज्यादा ऑनलाइन पमेंट के लिए इस्तेमाल होने वाला पेमेंट गेटवे है। यूपीआई की लोकप्रियता के साथ-साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी भी बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, साइबर ठग पहले यूपीआई यूजर्स को पैसे ट्रांसफर करते हैं। फिर वे यूजर को कॉल करके बताते हैं, कि उसके अकाउंट में उससे गलती से पैसे ट्रांसफर हो गए हैं। वे पैसा वापस अपने पास भेजने का निवेदन करते हैं। उनकी बातों में आकर अगर कोई व?यक्ति कॉलर के नंबर पर पैसे भेजता है, तब ठग उसका खाता हैक कर उस खाते से पैसे उड़ा लेते हैं। असल में अगर पीड़ित यूपीआई एप का इस्तेमाल करके पैसे चुकाता है, तब मेलवेयर सॉफ्टवेयर यूजर्स के डिवाइस को इफेक्टेड कर देता है। जिससे स्कैमर को बैंक और केवाईसी जैसे डिटेल पैन और आधार सहित उनके पूरे डेटा तक पहुंच मिल जाती है। इस जानकारी से जालसाज यूजर्स के बैंक अकाउंट को हैक कर पैसे निकलता है। मुंबई में यूपीआई धोखाधड़ी के 81 मामले सामने आए हैं। पुलिस में इस स्कैम का शिकार हुए लोगों द्वारा दर्ज कराई शिकायतों के अनुसार, स्कैमर लोगों को उनके यूपीआई एप जैसे गूगल पे पर पैसे भेज रहे हैं। फिर उन्हें कॉल या मैसेज के जरिए संपर्क करके ये बोल रहे हैं कि ये ट्रांजेक्शन गलती से हो गई है। फिर अनजान कॉलर लोगों से उनके नंबर पर पैसे वापस भेजने की गुजारिश करता है। जैसे ही कोई पैसा वापस भेजता है, तब कुछ समय बाद उसके खाते से पैसे निकलने शुरू हो गए।

गूगल को राहत नहीं, भरना पड़ेगा 1338 करोड़ रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली । दिग्गज अमेरिकी टेक कंपनी गूगल को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) ने एंड्रायड में अपनी डोमिनेंट पोजिशन के दुरुपयोग से जुड़े मामले में कॉम्पिटीशन कमीशन ऑफ इंडिया यानी सीसीआई के आदेश को बरकरार रखा है। एनसीएलएटी ने कंपनी को जुर्माना भरने और आदेश को लागू करने के लिए 30 दिन का समय दिया है। बीते दिनों भारत में कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा पर नजर रखने वाली एजेंसी कॉम्पिटीशन कमीशन ऑफ इंडिया ने गूगल पर 1,337.76 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। गूगल ने फैसले को एनसीएलएटी के सामने चुनौती दी थी। हालांकि गूगल ने अपने ऊपर लगे आरोपों को गलत करार दिया था।

एक और झटका, 1 अप्रैल से यूपीआई ट्रांजैक्शन होगा महंगा

-2000 से ज्यादा के पेमेंट पर अतिरिक्त चार्ज लगाने की तैयारी!

मुंबई । अगर आसान भुगतान के लिए आप भी प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स (पीपीआई) जैसे कि ऑनलाइन वॉलेट या प्री-लोडेड गिफ्ट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं, तब हो सकता है कि 1 अप्रैल से आपको इसके द्वारा किए गए यूपीआई पेमेंट्स के लिए अतिरिक्त चार्ज का भुगतान करना पड़े। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने 1 अप्रैल से प्रीपेड भुगतान उपकरणों का उपयोग करके किए गए मर्चेंट यूपीआई लेनदेन पर 1.1 प्रतिशत तक का इंटरचेंज चार्ज पेश किया है। यह ऑनलाइन व्यापारियों, बड़े व्यापारियों और छोटे व्यापारियों को किए गए 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान पर लगाया जा रहा है। इसके बाद सवाल आता है कि ये इंटरचेंज चार्ज क्या है और क्या यह सभी तरह के ऑनलाइन भुगतान में लगने वाला है या फिर यह एक खास सेगमेंट को प्रभावित करने वाला है। आज हम इसी से जुड़े सवालों के जवाब लेकर आए हैं।

महबूबा मुफ्ती के बायन पर सलमान खुर्शीद बोले, किसी भी पार्टी के 'बड़े भाई' की भूमिका नहीं निभाना चाहती कांग्रेस

जम्मू (एजेंसी)। कांग्रेस ने बुधवार को 2024 के चुनाव से पहले विपक्ष को एकजुट करने में 'बड़े भाई' की भूमिका की बात को तवज्जो नहीं दी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को सत्ता से हटाने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की एक टिप्पणी का जवाब देते हुए कहा कि हम एक बड़े भाई की भूमिका नहीं निभाना चाहते हैं। सामूहिक प्रयास किए जाने चाहिए और सभी को एक साथ आना चाहिए और सभी नेताओं को तय करना चाहिए कि किसे क्या जिम्मेदारी या अधिकार मिलेगा।

पूर्व विदेश मंत्री खुर्शीद ने कहा कि विपक्ष एकता की जरूरत को समझता है और कांग्रेस को उम्मीद है कि ये प्रयास सकारात्मक होंगे। मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभी नेताओं को बुलाया (एकजुट होने और लोकसभा की अयोग्यता का विरोध करने के लिए) और लगभग सभी आए। कई नेता जो पहले कुछ नहीं कह रहे थे उन्होंने खुले तौर पर राहुलजी का समर्थन किया है। हमें उम्मीद है कि इसे जल्द ही आगे बढ़ाया जाएगा और सभी मिलकर फैसला करेंगे।

हर कोई जमीनी हकीकत देखेगा और जानेगा कि किसी की कीमत कितनी है। हम सब एक साथ बैठें तो इस पर चर्चा हो सकती है... एकमत है... कि इस बड़ी चुनौती से लड़ने के लिए हम सभी को एक होना होगा। हमें उम्मीद है कि एकता होगी। लोकसभा में राहुल गांधी को अयोग्य घोषित करने के बाद से कांग्रेस को अन्य विपक्षी दलों से महत्वपूर्ण समर्थन मिला है।

नीतिश का पीएम मोदी पर कटाक्ष, कोई काम नहीं हो रहा है, केवल प्रचार हो रहा

पटना । बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जोरदार कटाक्ष करते हुए कहा कि कोई काम नहीं हो रहा है, केवल प्रचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले की कोई चर्चा नहीं हो रही है, केवल लोग अपनी ही तारीफ कर रहे हैं। एक कार्यक्रम में जब नीतीश से प्रधानमंत्री के विपक्षी एकता पर निशाना साधने वाले बयान को लेकर सवाल किया, तब उन्होंने कहा कि हम इन सभी चीजों पर ध्यान नहीं देते। उन्होंने कहा कि वे क्या बोलते हैं और क्या नहीं बोलते हैं, यह उनकी आदत है। नीतीश ने कहा कि सब लोग अपने ही तारीफ करने में लगे हुए हैं। पहले जो इतना काम हुआ है, हमलोग उनकी तारीफ करते हैं। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की चर्चा करते हुए कहा कि हमलोग तब उनके कामों की तारीफ करते हैं, उस समय कितना बढ़िया था। वहां हिंदू, मुस्लिम सब के पक्ष में एकसाथ रहते थे। हमलोग भी उनके साथ थे। इसदौरान मुख्यमंत्री से भाजपा के नए अध्यक्ष सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री आवास पहुंचने के लगाए गए बैनर के संबंध में सवाल किया गया, तब उन्होंने कहा कि ऐसी चीजों पर ध्यान नहीं देते। उन्होंने कहा कि कौन क्या-क्या बोलता है, उसका कोई वैल्यु है क्या। उसका कोई कमेंट करके हम वैल्यु देंगे। हम यहां काम करते हैं। जनता मालिक है, जनता फैसला करेगी।

महाठग सुकेश ने आप पार्टी को कट्टर करप्ट पार्टी बताया

- केजरीवाल की उल्टी गिनती शुरु

नई दिल्ली (एजेंसी)। मनी लॉन्ड्रिंग मामले दिल्ली की मंडोली जेल में बंद महाठग सुकेश चंद्रशेखर ने एक और पत्र लिखा है। सुकेश ने अपने पत्र में आम आदमी पार्टी को कट्टर करप्ट पार्टी बताया है। सुकेश ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनकी आप पार्टी को कट्टर भ्रष्ट पार्टी बताकर पूरी तरह से बेनकाब करने का दावा किया है। सुकेश ने आरोप लगाया कि सीएम केजरीवाल और उनके लोग उस पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन मैं आपको बता दूं कि चाहे आप कितनी भी कोशिश कर लें, मैं पीछे नहीं हटूंगा।

केजरीवाल जी, आपके चेहरे पर डर देखकर बहुत संतोष होता है और आप इस डर के बारे में अच्छी तरह जानते हैं। सब खत्म हो रहा है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप क्या दिखाने की कोशिश करते हैं, कोई अब आप पर भरोसा नहीं कर रहा है, सब कुछ खत्म हो गया है, उलटी गिनती शुरू हो गई है। केजरीवाल जी, मैं आपको और आपके कट्टर करप्ट पार्टनर (सत्येंद्र जैन) को एक छोटा टीजर दिखाने जा रहा हूं। उन्होंने मुझसे जो बातचीत की थी उस बातचीत को मैं सार्वजनिक कर दूंगा। इसके बाद मैं नहीं जानता, तुम्हें लोगों को कौन सा चेहरा दिखाना पड़ेगा? दिल्ली की जनता ने आप लोगों पर भरोसा करके आपको वोट दिया। आने वाले सप्ताह में मैं, एक टीजर जारी करूंगा।

केजरीवाल जी, जेल में बंद आप नेता मनीष सिसोदिया को वीवीवीआईपी की सुविधा कैसे दी जा रही है, इसकी सच्चाई मैं जानता हूं। आपके नेता सौरभ भारद्वाज कहते हैं कि जेल हमारी है, जेल हमारे प्रशासन में है और कोई कुछ नहीं कर सकता। फिर आप क्यों नाटक कर अपना मजाक बना रहे हैं।

केजरीवाल जी, आप और आपका गिरोह सत्ता में रहने के लायक नहीं है, मैं वादा करता हूं। मैं आने वाले सप्ताह से सबूत के साथ पर्दाफाश करूंगा। मैं आपको और आपके गिरोह को सत्ता के आसन से हिला दूंगा। मेरे परिवार के लोगों को परेशान किया जा रहा है, उन्हें धमकी दी जा रही है। अब आप तैयार रहिए, सबूत खुलकर सामने आएंगे।

भाजपा का कोई विधायक कांग्रेस में नहीं जा रहा, हम पूर्व बहुमत से वापसी कर रहे हैं : बोम्मई

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होते ही वहां आचार संहिता लागू हो गई है। इस बीच कर्नाटक के मुख्यमंत्री और भाजपा नेता बसवराज बोम्मई ने दावा किया है कि हमारी पार्टी चुनाव के लिए तैयार है, हम सत्ता में मजबूती से वापसी करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा तैयार रहने वाली पार्टी है और हम चुनाव के लिए तैयार हैं। बीजेपी भारी बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करने जा रही है। उन्होंने कहा कि हम पहले ही अपने सभी विकास कार्यों के साथ लोगों के पास जा चुके हैं।

बोम्मई ने कहा कि भाजपा का कोई नेता कांग्रेस में शामिल नहीं होने जा रहा है, वास्तव में कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष हमारे विधायकों के सामने अपनी पार्टी में शामिल होने की गुहार लगा रहे हैं। दरअसल, कर्नाटक में नेताओं का दलबदल भी जारी है। वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष और कर्नाटक से ही आने वाले मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कांग्रेस कर्नाटक चुनाव जीतेगी और राज्य में सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि यही वजह है कि मोदी सरकार के सभी शीर्ष मंत्री राज्य का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता राज्य का दौरा करने वाले हैं। बता दें कि कर्नाटक में मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच माना जा रहा है।

कांग्रेस के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट किया, चुनाव आयोग ने दुर्गा अष्टमी के पवित्र दिन कर्नाटक विधानसभा चुनाव की घोषणा की है। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस यह संकल्प लेती है कि वह 40 प्रतिशत कमीशन वाली सरकार और सरेआम लूट से राज्य को मुक्ति दिलाएगी।

अदालत के फैसले को चुनौती देने कांग्रेस नेता हुए लामबंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात की सूरत अदालत के फैसले को चुनौती देने कांग्रेस नेता लामबंद होते दिखाई दे रहे हैं। इसके लिए चाचिका तैयार करके अदालत में दाखिल करने की तैयारी हो रही है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि पार्टी के शीर्ष कानूनी सलाहकार समीक्षा याचिका पर काम कर रहे हैं, जिसे एक या दो दिन में सूरत सेशन कोर्ट में दायर किया जाएगा। गौरतलब है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मानहानि मामले में गुजरात की सूरत अदालत ने दोषी ठहराते हुए दो साल की सजा सुनाई है। सूत्रों की मानें तो फैसले को चुनौती देने वाली याचिका तैयार है जिसे जल्द ही अदालत में दाखिल किया जाएगा। दरअसल मोदी सरनेम पर टिप्पणी को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दायर किया गया था। दोषी ठहराए जाने के बाद उनकी

लोकसभा सदस्यता रद्द कर दी गई है। इस मामले में कांग्रेस का कहना है कि हम राजनीतिक और कानूनी दोनों तरीकों से लडेंगे और इस मुद्दे को जनता के बीच भी ले जाएंगे।

इस मामले में लोकसभा में कांग्रेस के सचेतक मणिकम टैगोर ने कहा कि सरकार ने जानबूझकर राहुल गांधी को इस बजट सत्र के दौरान संसद में उपस्थित नहीं होने देने के लिए अयोग्य घोषित किया है। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से झूठा मामला है। संसद से दूर रखने के लिए उन्हें अयोग्य ठहराया गया है। मानहानि केस में दोषी ठहराए जाने और सजा मिलने के बाद राहुल की सांसदी चली गई।

राष्ट्रगान के अपमान का मामला, बॉम्बे हाई कोर्ट का सीएम ममता बनर्जी को राहत देने से इनकार

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रगान के अपमान मामले में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को बॉम्बे हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली है. उन्होंने अपने खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की अर्जी पर पुनर्विचार की अपील को रद्द करने की मांग की थी. बॉम्बे हाईकोर्ट ने इस मांग को नामंजूर कर दिया है. ममता बनर्जी पर आरोप है कि साल 2021 में मुंबई के यशवंतराव चव्हाण ऑडिटोरियम के एक कार्यक्रम में वे राष्ट्रगान के वक्त बैठी रह गई थीं. बीच में थोड़ी देर के लिए उठीं और दो लाइनें गुनगुनाकर चुप हो गईं. इससे राष्ट्रीय सम्मान अधिनियम 1971 के तहत यह एक गुनाह है. इस आधार पर भाजपा के एक स्थानीय पदाधिकारी विवेकानंद गुप्ता इस बात की शिकायत मुंबई के कफ परेड पुलिस स्टेशन में दर्ज करवाने गए थे लेकिन जब वहां उनकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं हुई तो वे

मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेड के पास गए. मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेड की अदालत ने ममता बनर्जी के खिलाफ समन जारी किया. ममता बनर्जी इस समन को चुनौती देने के लिए स्पेशल एमपी/एमएलए कोर्ट पहुंची. एमपी/एमएलए कोर्ट ने साल 2023 में मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेड अदालत से इस शिकायत पर पुनर्विचार करने को कहा. इसके बाद मजिस्ट्रेड की अदालत ने ममता बनर्जी की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ कार्रवाई को रोकने की मांग की थी. ममता बनर्जी के वकील ने तर्क दिया था कि चूंकि उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, इसलिए उन पर कार्रवाई रोकी जाए. लेकिन अब हाईकोर्ट ने भी ममता बनर्जी को राहत देने से इनकार कर दिया है. इस तरह ममता बनर्जी पर एफआईआर दायर करने की याचिका पर पुनर्विचार करने की मांग को रद्द कर दिया है. इसके बाद सीएम ममता बनर्जी ने अपने खिलाफ मुंबई सेशंस कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी. इसे बॉम्बे हाईकोर्ट ने नामंजूर कर दिया. कोर्ट ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की अर्जी को रद्द करने की मांग नामंजूर कर दी.

- क्या था मामला

दरअसल साल 2021 में शिवसेना और एनसीपी के निमंत्रण मिलने पर मुंबई आई थीं. इसी दौरान वे मुंबई के यशवंतराव चव्हाण ऑडिटोरियम में हुए एक कार्यक्रम में भाग लेने पहुंची थी. यहां उन्होंने राष्ट्रगान का जो अपमान किया उससे संबंधित वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया था. इसके बाद बीजेपी के स्थानीय पदाधिकारी विवेकानंद गुप्ता ने इसकी शिकायत की थी.

अदानी घोटाले की संयुक्त संसदीय समिति की जांच से क्यों डर रही है मोदी सरकार: पवन खेड़ा

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दोस्त अदानी के लिए 18-18 घंटे काम करने में व्यस्त - नीरव मोदी, ललित मोदी पिछड़े नहीं, बल्कि नरेंद्र मोदी के बिछड़े भाई हैं !

मुंबई (एजेंसी)। अदानी उद्योग समूह में किसने 20 हजार करोड़ रुपए का निवेश किया है ? इस निवेश में चीन का एक नागरिक शामिल है और वह चीनी नागरिक कौन है? कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने यह मुद्दा इसलिए उठाया है, क्योंकि देश की जनता को इसकी जानकारी होनी चाहिए। अदानी घोटाले में दूध का दूध और पानी का पानी करना ही है तो इसके लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन कर पूरे मामले की जांच कराई जानी चाहिए। यह मांग कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने की है। उन्होंने कहा कि अगर कोई घोटाला नहीं हुआ है तो मोदी सरकार जेपीसी की जांच से क्यों डर रही है? अदानी घोटाले को लेकर कांग्रेस नेताओं ने बुधवार को देश भर में 35 जगहों पर डेमोक्रेसी डिस्क्रालीफाईड नाम से प्रेस कॉन्फ्रेंस की। मुंबई के गांधी भवन में पत्रकारों से बात करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि मोदी सरकार अदानी समूह की कंपनियों पर विशेष मेहरबानी कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब विदेश यात्रा करते हैं तो अदानी भी उनके साथ होते हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर मोदी ने अदानी को कॉन्ट्रैक्ट दिलाने के लिए एसबीआई से कर्ज देकर मेहरबानी दिखाई थी। मोदी ने अदानी समूह को श्रीलंका में पॉवर सेक्टर का कांटेक्ट दिलाने के लिए वहां की सरकार पर दबाव डाला था। मोदी ने बांग्लादेश में बिजली आपूर्ति का ठेका अदानी को दिलाने के लिए भी वहां की सरकार पर दबाव बनाया। एलआईसी निवेशकों के 33 करोड़ रुपए का निवेश भी अदानी की कंपनी में किया गया है। आम लोगों का यह पैसा अदानी घोटाले की वजह से खतरे में है। बड़ा सवाल यह है की आम जनता के पैसे की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा? यह ज्वलंत प्रश्न हैं। जिसका जवाब मोदी सरकार को देना चाहिए। सरकारी एजेंसियों का दबाव और छापा मार कर कई महत्वपूर्ण उद्योग अदानी को सुपुर्द कर दिए गए हैं।

पवन खेड़ा ने कहा कि अदानी और मोदी के बीच क्या संबंध है? संसद में ऐसा सवाल उठाकर राहुल गांधी ने मोदी सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया। लेकिन मोदी सरकार ने संसद की कार्यवाही से राहुल गांधी के भाषण का एक बड़ा हिस्सा हटा दिया। अदानी पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के सवाल को भी संसद की कार्यवाही से हटा दिया गया। आखिर अदानी मामले पर पूछे गए सवाल से मोदी सरकार इतना क्यों डर रही है ? राहुल गांधी ने 7 फरवरी को संसद में अदानी -मोदी के रिश्ते का मुद्दा उठाया और उसके 9 दिन बाद सूरत की अदालत में लंबित एक पुराने मामले में बुलेट ट्रेन की गति से भी तेज कार्रवाई करते हुए उसे खोल दिया गया। 23 मार्च को राहुल गांधी को 2 साल की सजा हुई और 24 घंटे के अंदर उनकी लोकसभा सदस्यता रद्द कर दी गई। मोदी सरकार यहीं नहीं रुकी बल्कि राहुल गांधी को सरकारी आवास खाली करने का नोटिस भी भेज दिया। राहुल गांधी ने देश के 140 करोड़ लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई है। वे मोदी से सीधे सवाल पूछने से नहीं डरते। लेकिन 56 इंच का सीना और 303 सांसदों का भारी बहुमत होने के बावजूद मोदी सरकार संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) द्वारा जांच किए जाने से क्यों डर रही है ?

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि बीजेपी का यह आरोप झूठा और हास्यास्पद है, जिसमें उनका कहना है कि राहुल गांधी ने ओबीसी समाज का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि नीरव मोदी, ललित मोदी पिछड़े नहीं, बल्कि मोदीजी के बिछड़े हुए भाई है। खेड़ा ने तंज कसते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी अपने दोस्त गौतम अदानी के लिए रोजाना दिन में 18-18 घंटे काम करते हैं।

- महा विकास अघाड़ी मजबूत है

पवन खेड़ा ने कहा कि सावरकर मुद्दे पर महाविकास आघाड़ी में फूट के आरोप में कोई सच्चाई नहीं है ।हमारी अघाड़ी पूरी तरह से मजबूत है। हर पार्टी के अपने- अपने विचार होते हैं । हमारे गठबंधन में हर कोई अपने विचार व्यक्त करने के लिए स्वतंत्र है। लोकतंत्र में संवाद महत्वपूर्ण है और यह आज भी महाविकास आघाड़ी में कायम है। खेड़ा ने कहा कि देश के ज्वलंत मुद्दे से जनता का ध्यान भटकाने के लिए भाजपा द्वारा सावरकर के मुद्दे को तूल दिया जा रहा है। क्या भारतीय जनता पार्टी स्वीकार करती है कि, सावरकर ने छत्रपति शिवाजी महाराज और संभाजी महाराज के बारे में क्या लिखा है? बीजेपी को इसका जवाब देना चाहिए। इस प्रेस कांफ्रेंस में प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता अतुल लोंढे, प्रवक्ता चरण सिंह सप्रा, डॉ. राजू वाघमारे, काकासाहेब कुलकर्णी, महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष संध्या सव्वालाखे, प्रदेश महासचिव देवानंद पवार और प्रदेश महासचिव राजेश शर्मा मौजूद थे।

पाकिस्तान में मौलवी ने मस्जिद के अंदर नाबालिग लड़के से पूरी रात किया दुष्कर्म

-खाने में मिला दी नींद की गोलियां

इस्लामाबाद । रमजान के पाक महीने में चौंकाने वाली घटना में पाकिस्तान से आ रही हैं। यहां पर एक मौलवी ने कथित तौर पर एक मस्जिद के अंदर एक लड़के को नशीला पदार्थ देकर पूरी रात उसके साथ बार-बार बलात्कार किया। प्राथमिकी के अनुसार, यह घटना पाकिस्तान के गुजरात में शाहीन चौक पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में 9 और 10 मार्च की दरम्यानी रात को हुई थी। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि मौलवी मोहम्मद रियाज कथित तौर पर जामिया मस्जिद बुराक में मस्जिद के इमाम हैं। उन्होंने पीड़ित को फोन कर लड़के को रमजान के दौरान तरावीह की नमाज के बारे में परामर्श के लिए मस्जिद में बुलाया। इसके तुरंत बाद, पीड़िता मस्जिद पहुंचा जहां नमाज के बाद आरोपी ने बताया कि मस्जिद समिति इस मामले पर परामर्श के लिए उपलब्ध नहीं है। इसके बाद आरोपी ने लड़के को रात में वहीं रुकने के लिए कहा। पीड़ित ने मौलवी की बात मान ली। इसके बाद में नाबालिग लड़का ने खाना खाने के बाद सो गया। बाद में जब नाबालिग लड़का सुबह करीब 8 बजे उठा, तब उस एहसास हुआ कि आरोपी रात भर उसके साथ कथित तौर पर दुष्कर्म कर रहा था। प्राथमिकी में पीड़ित ने कहा कि आरोपी ने उसके साथ मारपीट की और जब लड़के ने उसे रोकने की कोशिश की, तब उस जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित ने बताया कि मौलवी ने खाने में कथित तौर पर नींद की गोलियां मिला दी थीं और आरोपी ने रात भर उसके साथ बार-बार दुष्कर्म किया।

ब्राजील में कोरोना के मरने वालों की संख्या 7 लाख के पार

-मरने के मामले में अमेरिका के बाद दूसरे नंबर पर

साओ पाउलो । ब्राजील में कोरोना के संक्रमण से सात लाख लोगों की जान गई है। अमेरिका के बाद ब्राजील में कोरोना के संक्रमण से सबसे अधिक मौतें हुई हैं। मृतकों का आंकड़ा सात लाख पहुंचने के बाद ब्राजील के स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि हाल के दिनों में कोविड-19 से मरने वाले अधिकतर लोगों का या टीकाकरण नहीं हुआ था या वे अन्य बीमारियों से पीड़ित थे। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, ब्राजील में प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र में वर्तमान में उपलब्ध टीका उन परिवारों के जीवन में बदलाव ला सकता है, जिन्होंने अपने प्रियजनों को महामारी में खो दिया है। स्वास्थ्य मंत्री निसिया त्रिनदादे ने कोरोना महामारी से निपटने के तरीके के लिए पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो की आलोचना की। पूर्व राष्ट्रपति कोरोना से संक्रमित हो गए थे और बाद में उन्होंने कोरोना का टीका लेने से इनकार किया था और स्वास्थ्य प्रतिबंधों का उल्लंघन किया। निसिया ने कहा, हमें अतीत को देखना होगा, लेकिन साथ ही हमें यह कहना होगा कि स्वास्थ्य मंत्रालय समन्वय नहीं करने, देखभाल नहीं करने, इलाज (बीमारी का) नहीं करने की गलती नहीं कर सकता। हमें एकजुट होने की जरूरत है ताकि नई त्रासदी न हो।

मैं भगवद गीता पर निष्ठा की शपथ लेने वाला पहला ऑस्ट्रेलियाई मंत्री : डैनियल मुखी

-भारतीय मूल के ऑस्ट्रेलियाई डैनियल मुखी ने एनएसडब्ल्यू के कोषाध्यक्ष पद की ली शपथ

मेलबोर्न । भारतीय मूल के ऑस्ट्रेलियाई नेता ने एनएसडब्ल्यू के कोषाध्यक्ष पद की शपथ भगवद गीता पर ली। सिडनी में गवर्नर मार्गरेट बेजले द्वारा ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) राज्य के कोषाध्यक्ष के रूप में शपथ लेने के दौरान भारतीय मूल के राजनेता डैनियल मुखी ने पवित्र भगवद गीता की शपथ ली। मुखी ने मंगलवार को एनएसडब्ल्यू प्रीमियर क्रिस मिन और 6 अन्य मंत्रियों के साथ शपथ ली। मुखी ने एक बयान में कहा कि एनएसडब्ल्यू के महान राज्य के कोषाध्यक्ष के रूप में शपथ ली। एनएसडब्ल्यू के लोगों को धन्यवाद, जिन्होंने हमें यह सम्मान और विशेषाधिकार सौंपा। डैनियल मुखी ने कहा कि मैं भगवद गीता पर निष्ठा की शपथ लेने वाला पहला ऑस्ट्रेलियाई मंत्री, राज्य या संघ के रूप में अविश्वसनीय रूप से सम्मानित और विनम्र हूं। यह केवल इसलिए संभव है, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया मेरे माता-पिता जैसे लोगों के योगदान के लिए इतना खुला और स्वागत करने वाला है, जिनके बारे में मैं आज शपथ लेते समय बहुत कुछ सोच रहा हूं। डैनियल मुखी को एनएसडब्ल्यू के ऊपरी सदन में स्टीव वॉन की जगह लेने के लिए लेबर द्वारा चुना गया था, जिससे वह भारतीय पृष्ठभूमि के राज्य के पहले राजनेता बन गए और साथ ही भगवद गीता पर निष्ठा की शपथ लेने वाले पहले व्यक्ति बन गए। साल 2019 में वह वित्त और स्मॉल बिजनेस के शैडो मंत्री और गिग अर्थव्यवस्था के शेडो मंत्री बने। गवर्नर बेजले ने मंत्रियों को संबोधित करते हुए कहा कि वास्तव में कड़ी मेहनत फिर से करने से पहले यह आराम करने और आनंद लेने का समय है। मुखी के माता-पिता 1973 में पंजाब से ऑस्ट्रेलिया चले गए थे। ब्लैकटाउन उपनगर में जन्मे मुखी के पास यूनिवर्सिटी की तीन डिग्रियां हैं और उन्होंने यूनियनों, चैरिटी और सामुदायिक समूहों के सलाहकार के रूप में काम किया है।

भूस्खलन में मृतक संख्या बढ़कर हुई आठ

एलौसी । मध्य इक्वाडोर में हुए भीषण भूस्खलन में करने वालों की संख्या आठ हो गई है। मलबे से छह वर्षीय बच्ची के शव को भी निकाल लिया गया है, जबकि 60 से अधिक लोग अब भी लापता हैं। हालांकि जारी बचाव अभियान के दौरान 40 घंटे की तलाश के बाद बच्ची का शव बाहर निकाला गया। गौरतलब है कि एलौसी में रविवार रात हुए भूस्खलन के कारण कम से कम 50 मकान ढह गए। इससे पहले अधिकारियों ने 16 लोगों की मौत होने की जानकारी दी थी लेकिन राष्ट्रपति गुइलेरमो लासो ने बाद में सात लोगों की मौत की पुष्टि की और एक बच्ची का शव मिलने के बाद यह संख्या बढ़कर आठ हो गई। उधर इक्वाडोर के जोखिम प्रबंधन सचिवालय ने बताया कि रविवार रात करीब 10 बजे पर्वत की ओर की जमीन धंसने के बाद हागति बिगड हताहत हुए 30 से अधिक लोगों को बचा लिया गया। हालांकि 60 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं।

उद्योगपति नवीन जिंदल को दिया 'लाइफटाइम अचीवमेंट' अवार्ड

वाशिंगटन । उद्योगपति नवीन जिंदल को 'लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार से नवाजा गया है। अमेरिका में डलास स्थित टेक्सास विश्वविद्यालय ने उन्हें उद्योग, राजनीति और शिक्षा के क्षेत्र में विशेष उपलब्धियों के लिए 'लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार देकर सम्मानित किया है। गौरतलब है कि उद्योगपति नवीन जिंदल टेक्सास विश्वविद्यालय के 1992 बैच के पूर्व छात्र है। इसके पूर्व उन्हें 2010 में विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अजीज सैंकर के बाद टेक्सास विश्वविद्यालय से 'लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार प्राप्त करने वाले जिंदल दूसरे व्यक्ति हैं। 'लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार टेक्सास विश्वविद्यालय द्वारा अपने पूर्व छात्रों को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है, जिसके जरिए समाज को बेहतर बनाने में असाधारण योगदान देने वाले पूर्व छात्र को सम्मानित किया जाता है। विश्वविद्यालय के छात्र के रूप में जिंदल 'स्टूडेंड गर्वनमेंट' के उपाध्यक्ष और अध्यक्ष रहे थे, उन्हें वर्ष के सर्वश्रेष्ठ छात्र नेता का पुरस्कार दिया गया था।

ग्रीस में पाकिस्तानी आतंकी उड़ाना चाहते थे यहूदी रेस्तरां

तेल अवीव । ग्रीस में पाकिस्तानी आतंकी यहूदी रेस्तरां उड़ाना चाहते थे, जिसे इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद ने आतंकी हमले की साजिश को नाकाम कर दिया। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार देर रात कहा कि उनके देश की खुफिया एजेंसी मोसाद ने एथेंस में एक यहूदी स्थल पर आतंकी हमले की साजिश को नाकाम करने में ग्रीस की मदद की है। इससे पहले ग्रीस के अधिकारियों ने कहा कि दो पाकिस्तानी मूल के लोगों को कथित रूप से एक यहूदी रेस्तरां पर हमले की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। हमले में बड़े पैमाने पर लोगों की जान जा सकती थी। संदिग्धों पर मंगलवार को आतंकवाद के अपराधों का आरोप लगाया गया। एक तीसरे फरार शख्स, जिसे ग्रीस के बाहर का माना जा रहा है, पर भी यही आरोप लगाए गए हैं। इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय ने बयान जारी कर कहा है कि हमलावरों के तार ईरान से जुड़े थे। बयान में कहा गया है कि ग्रीस में संदिग्धों की जांच शुरू करने के बाद मोसाद ने उनके इंफास्ट्रक्चर, काम करने के तरीकों और ईरान के साथ संबंध को उजागर करने में खुफिया सहायता मुहैया कराई।

रोम में इटली की वायुसेना के विमान सेंटीनेरी समारोह में अपने कौशल का प्रदर्शन करते हुए।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग को दिया देश आने का निमंत्रण

कीव । यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बुधवार को मीडिया को दिए एक साक्षात्कार में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को देश का दौरा करने का निमंत्रण दिया। उन्होंने मीडिया को बताया कि हम उन्हें यहां देखने के लिए तैयार हैं। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग रूस के तीन दिवसीय दौरे पर थे। यह यात्रा 20 मार्च को शुरू हुई थी। शी जिनपिंग की अगवानी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने की। शी जिनपिंग की यात्रा को लेकर वर्ल्ड पॉलिटिक्स में कई तर्क दिए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि इस यात्रा से ड्रैगन ने पश्चिमी देशों को संदेश दिया है कि वे विश्व पटल पर यूक्रेन के पीछे खड़ा है। रूस-यूक्रेन युद्ध में चीन ने तटस्थता दिखाने की कोशिश की है। चीन ने रूस की स्थिति का समर्थन किया है। इस युद्ध के लिए अमेरिका और नाटो देशों को जिम्मेदार ठहराया है। वहीं, चीन चाहता है कि रूस पश्चिम देशों के साथ-साथ यूएस का मुकाबला करने के लिए समर्थन करे। चाइना का रुख है कि अमेरिका उनके बढ़ते दबदबे का विरोध करता है। शी जिनपिंग ने अमेरिका के कथित प्रयासों के खिलाफ कई बार कड़ा रुख अपनाया है। इस बीच रूस और चीन के राष्ट्रपतियों की मुलाकात ने सबका ध्यान खींचा है। इस मुलाकात से विश्व राजनीति में क्या बदलाव आएगा, यह देखना अहम होगा।

डोकलाम विवाद को हल करने में चीन की भी समान भूमिका: भूटानी पीएम शेरिंग

-भूटानी पीएम का बदला सुर, चीन के हां में हां मिलाने लगे

थिंपू (एजेंसी)। भूटानी पीएम शेरिंग ने एक इंटरव्यू में कहा कि डोकलाम विवाद को हल करने में चीन की भी समान भूमिका है। उनके हालिया बयान इस विवादित और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र पर भूटान के बदलते पक्ष को दिखाते हैं। इससे पहले भूटान ने दावा किया था कि चीन ने उसकी सीमा में कोई गांव नहीं बसाया है। डोकलाम भारत, चीन और भूटान तीनों देशों को जोड़ने वाला केंद्र बिंदु है। साल 2017 के डोकलाम गतिरोध के बाद से यह तीनों देशों के बीच तनाव का प्रमुख कारण रहा है।

मीडिया को दिए एक हालिया इंटरव्यू में शेरिंग ने कहा कि समस्या को हल करना अकेले भूटान के हाथ में नहीं है। हम तीन देश हैं। कोई मुल्क बड़ा या छोटा नहीं है, तीनों समान हैं, प्रत्येक की गिनती एक तिहाई के रूप में होती है। चीन ने डोकलाम के पास भूटान के क्षेत्र में गांवों और सड़कों का निर्माण किया है, जो क्षेत्र में भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती हैं। भारत डोकलाम में चीन के विस्तार का विरोध करता है और अपने रणनीतिक सिलीगुड़ी कॉरिडोर के लिए इसे सबसे बड़ा खतरा मानता है।

शेरिंग का बयान दिखाता है कि भूटान भारत और चीन के साथ डोकलाम की स्थिति पर बातचीत करने और विवाद को हल करने में इच्छुक है। चीन का लक्ष्य ट्राई-जंक्शन को दक्षिण की ओर शिफ्ट करना है, जिससे पूरा डोकलाम कानूनी रूप से चीन का हिस्सा बन जाएगा। भारत इस कदम का विरोध करता है। एक तरफ भूटानी पीएम दावा कर रहे हैं कि चीन उनकी सीमा में नहीं घुसा है तो वहीं सैटेलाइट तस्वीरें बताती हैं कि चीन ने भूटान के क्षेत्र में 10 गांव बसा लिए हैं।

भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच साल 2017 में 2 माह तक अधिक समय तक तनावपूर्ण गतिरोध चला था। भारतीय सैनिकों ने डोकलाम पठार में प्रवेश किया था, ताकि चीन को माउंट जिपमोची और आसपास के झम्फेरी रिज की ओर अवैध रूप से निर्मित सड़क का विस्तार करने से रोका जा सके। भारतीय सेना का दावा है कि चीनी सेना को झम्फेरी तक पहुंचने दिया गया तो उन्हें सिलीगुड़ी कॉरिडोर के लिए एक साफ रास्ता मिल जाएगा।

चीन ने दिया अमेरिका को झटका, सऊदी अरब को एससीओ में शामिल कराया

रियाद (एजेंसी)। सऊदी अरब ने ऐलान किया है कि वह शंघाई सहयोग संगठन में शामिल हो गया है। सऊदी कैबिनेट ने बुधवार को एससीओ में शामिल होने को मंजूरी दे दी। सऊदी अरब ने इस तरह से ईरान के साथ डील के बाद एक और ऐसा कदम उठाया है, जिससे चीन के साथ उसके रिश्ते और मजबूत होने जा रहे हैं। वह भी तब जब अमेरिका ने सऊदी अरब की नई नीति को लेकर सुरक्षा चिंता जाहिर की है। सऊदी अरब ने एससीओ में शामिल होने का ऐलान उस समय पर किया है, जब चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मंगलवार को सऊदी प्रिंस से बात की है।

इसके पहले पिछले साल दिसंबर में अपनी यात्रा के दौरान चीनी राष्ट्रपति ने एससीओ में शामिल होने के बारे में सऊदी प्रिंस से बातचीत की थी। सऊदी अरब की मीडिया ने बताया कि सऊदी अरब ने एससीओ में डायलॉग पार्टनर बनने के लिए मंजूरी दे दी है। चीन एससीओ को नाटो के मुकाबले खड़ा करने की कोशिश कर रहा है, जिसमें रूस, ईरान, भारत और पाकिस्तान भी शामिल हैं। एससीओ की स्थापना साल 2001 में रूस और चीन की ओर से की गई थी। बाद में इसमें भारत और पाकिस्तान को शामिल किया गया।

चीन और रूस ने पश्चिमी देशों के प्रभाव को कम करने के लिए एससीओ की स्थापना की थी। ईरान ने पिछले साल एससीओ की पूर्ण सदस्यता के लिए दस्तावेज पर हस्ताक्षर किया था। डायलॉग पार्टनर एससीओ में शामिल होने की दिशा में पहला कदम माना जाता है। इसके बाद संबंधित देश को पूर्ण सदस्यता दी जाती है। एससीओ में शामिल होने के ऐलान को तब किया गया है, जब सऊदी की विशालकाय सरकारी तेल कंपनी अरमाको ने चीन के साथ अरबों डॉलर का निवेश समझौता किया है। सऊदी कंपनी चीनी कंपनी में हिस्सा खरीदने जा रही है। सऊदी अरब और चीन के बीच बढ़ते रिश्ते से अमेरिका की भौहें तन गई हैं, जो उसका परंपरागत सहयोगी है। अमेरिका ने कहा है कि चीन दुनिया में प्रभाव जमाने की कोशिश कर रहा है लेकिन इससे हमारी मिडिल ईस्ट में पॉलिसी में कोई बदलाव नहीं होने जा रहा है। सऊदी अरब और खाड़ी के अन्य देशों ने अमेरिका को लेकर चिंता जाहिर की थी जिसे पश्चिम एशिया में सुरक्षा की गारंटी माना जाता है। सऊदी अपने रिश्तों में विविधता ला रहा है और भारत तथा चीन के साथ रिश्ते मजबूत कर रहा है।

सत्तारूढ़ गठबंधन की बैठक में नहीं हुआ सत्ता-साझाकरण समझौता

काठमाण्डु (एजेंसी)। सत्ता साझाकरण समझौते को लेकर आहूत बैठक में कोई समति नहीं बन पाई। इसके लिए नेपाल के सत्तारूढ़ गठबंधन के शीर्ष नेताओं ने सत्ता-साझाकरण व्यवस्था पर चर्चा करने अपस में मुलाकात की, लेकिन समझौते पर कोई निर्णय नहीं हो पाया। पार्टी के एक पदाधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि बालूवटार में प्रधानमंत्री के सरकारी आवास पर बैठक के दौरान प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड', नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा, सीपीएन-यूनिफाइड सोशलिस्ट के अध्यक्ष माधव कुमार नेपाल और नेपाल समाजवादी पार्टी के नेता डॉ. बाबूराम भट्टराई एक साथ बैठे और उन्होंने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठक के दौरान लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष महंत ठाकुर, जनमत पार्टी के प्रमुख डॉ. सी.के. राउत, नागरिक उन्मुक्ति पार्टी की अध्यक्ष रंजीता श्रेष्ठ, राष्ट्रीय जनमोर्चा की अध्यक्ष चित्रा बहादुर केसी भी उपस्थित रहीं। सीपीएन-माओवादी सेंटर के सचिव गणेश शाह ने कहा कि बैठक के दौरान मुख्य रूप से सत्ता में हिस्सेदारी, मंत्रिमंडल विस्तार और सत्ताधारी गठबंधन के न्यूनतम साझा कार्यक्रम से संबंधित मामले प्रमुख रहे। सत्ताधारी दलों के नेताओं ने प्रधानमंत्री प्रचंड द्वारा पेश साझा कार्यक्रम पर सहमति जताई जबकि सत्ता बंटवारे को लेकर कोई समझौता नहीं हो सका। लेकिन वे जल्द से जल्द मंत्रिमंडल का विस्तार करने पर सहमत हो गए हैं।

सीजेआई की ताकत हुई कम, पेश किया विधेयक

इस्लामाबाद (एजेंसी)। सीजेआई की ताकत को कम करने केबिनेट ने विधेयक पेश कर दिया है। पाकिस्तान की सरकार चाहती है कि वहां के प्रधान न्यायाधीश की विवेकाधीन शक्तियों में कटौती करना जरुरी है। इसे लेकर एक विधेयक संसद में पेश किया। कानून मंत्री आजम नजीर तरार ने 'द सुप्रीम कोर्ट (प्रैक्टिस एंड प्रोसेड्योर) एक्ट, 2023' को कैबिनेट की मंजूरी के बाद संसद में पेश किया। यहां यह बात गौरतलब है कि विधेयक का संसद में पेश होना और प्रधानमंत्री शरीफ का यह बयान ऐसे समय आया है, जब पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय के दो न्यायाधीशों ने देश के शीर्ष न्यायाधीश की स्वतः संज्ञान लेने की शक्तियों पर सवाल उठाया। इससे पहले दिन में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा था कि यदि संसद ने प्रधान न्यायाधीश की शक्तियों को कम करने के लिए कानून नहीं बनाया, तो इतिहास हमें माफ नहीं करेगा। इसलिए प्रधान न्यायाधीश की शक्ति को सीमित करने की जरुरत है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए, उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति मंसूर अली शाह और न्यायमूर्ति जमाल खान मंडोखेल के असहमतिपूर्ण फैसले के बारे में विस्तार से चर्चा की, जिन्होंने प्रधान न्यायाधीश के किसी भी मुद्दे पर कार्रवाई के लिए स्वतः संज्ञान लेने और विभिन्न मामलों की सुनवाई के लिए पसंद की पीठ का गठन करने के असीमित अधिकार की आलोचना की। हालांकि उनका फैसला प्रधान न्यायाधीश उमर अता बंदियाल द्वारा पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में चुनावों के बारे में स्वतः संज्ञान लेने के बारे में था।

रूस की महाविनाशक परमाणु मिसाइल यार्स तबाही मचाने तैयार

मास्को । रूस की सेना ने अपनी महाविनाशक यार्स मिसाइल के साथ अभ्यास शुरू कर दिया है। इस महाद्वीपीय मिसाइल की रेंज 12 हजार किमी है और यह अमेरिका तक तबाही मचा सकती है। यूक्रेन में चल रहे भीषण युद्ध के दौरान किसी को भी यह खबर दुविधा में डालने वाली है। माना जा रहा है कि इस अभ्यास के जरिए रूस अपनी परमाणु ताकत का प्रदर्शन कर रहा है। जानकारी के मुताबिक रूसी यार्स इतना खतरनाक है कि केवल एक मिसाइल अपने साथ कई परमाणु बम ले जा सकती है। अभ्यास में रूस के हजारों की तादाद में सैनिक भी हिस्सा ले रहे हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय से जारी बयान के अनुसार कुल 3000 सैनिक और 300 हथियार इस अभ्यास में हिस्सा ले रहे हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रणनीतिक मिसाइल को संभालने वाले सैनिक इसे छिपाकर रखेंगे और उसकी अंतरिक्ष से निगरानी नहीं की जा सकेगी। इसमें एयरोस्पेस फोर्स का भी इस्तेमाल किया जाएगा। यह मिसाइल 12000 किमी तक कई परमाणु बमों के साथ हमला कर सकती है जिससे रूसी परमाणु प्रतिरोधक क्षमता काफी बढ़ गई है। गौरतलब है कि बेलारूस लगातार यूक्रेन को चेतावनी दे रहा है। फलस्वरुप यूक्रेन पर पिछले साल हमला करने के बाद रूस ने कई सैन्य अभ्यास किये हैं। अपने करीबी बेलारूस के साथ ये अभ्यास यूक्रेन की सीमा पर किए गए हैं।

भारत के साथ रिश्ता पाकिस्तान को सतत विकास की ओर ले जाएगा: राजनीतिक विशेषज्ञ साद अजीज

-पाकिस्तानी विशेषज्ञ पाक सरकार को दे रहे सलाह

इस्लामाबाद (एजेंसी)। (ईएमएस)। पाकिस्तानी विशेषज्ञों ने मीडिया से कहा कि भारत और पाकिस्तान सन् 1947 में विभाजन के दो देश बन गए। आज आजादी के सात दशक बाद एक देश में जहां खुशहाली है तो दूसरे देश में तंगहाली है। भारत ने कुछ दशकों में तेजी से तरक्की की है और आज वह वर्ल्ड लीडर के तौर पर जाना जा रहा है। उसका प्रभाव भी बढ़ता जा रहा है। वह दुनिया में उसे एक स्थिर, भरोसेमंद और जिम्मेदार देश के तौर पर देखा जाता है। वहीं एक तरफ पाकिस्तान है जो आज बर्बाद होने की कगार पर पहुंच चुका है। विशेषज्ञों के अनुसार तो आज न देश में लोकतंत्र बचा है और न ही आर्थिक प्रबंधन। ऐसे में वो इस बात की वकालत करने लगे हैं कि यही समय है, जब उनके देश को भारत के साथ शांति के साथ रहने की कोशिशें करनी होंगी। राजनीतिक विशेषज्ञ साद अजीज के अनुसार भारत के साथ रिश्ते पाकिस्तान को सतत विकास, विशेष रूप से मानव सुरक्षा पर फिर से ध्यान केंद्रित करने में मदद कर सकते हैं।

पाकिस्तान वह देश है, जो अक्सर दिवालिया होने की कगार पर रहता है: साद अजीज

देश के राजनीतिक विशेषज्ञ साद अजीज के अनुसार पाकिस्तान वह देश है, जो अक?सर दिवालिया होने की कगार पर रहता है। एक ऐसा मुल्क जो बस ऐसे लोगों की तलाश में रहता है, जो इसे बचा सकें। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष यानी आईएमएफ से बेलआउट पैकेज की उम्मीद में है। आर्थिक मंदी, अव्यवस्थित शासन, उथल-पुथल राजनीतिक मंशा और आतंकवादी खतरों ने पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को तेजी से कम किया है। एक वास्तविक लोकतंत्र बनाने के बजाय जहां सत्ता लोगों के पास होती है, पाकिस्तान ने मजबूत लोगों, मसीहाओं और चमत्कारों पर भरोसा किया है।

अर्थव्यवस्था की अगर बात करें तो भारत और पाकिस्तान के बीच की दूरी और बढ़ गई है। पाकिस्तान और भारत की तुलना आज के समय में हो ही नहीं सकती है। वर्ल्ड बैंक के अनुसार साल 2021 में भारत की जीडीपी 3.2 ट्रिलियन डॉलर थी, जबकि पाकिस्तान की जीडीपी 348 बिलियन डॉलर था। यह भारत करीब 10 फीसदी था। इसके अलावा भारत साल 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के तरफ है और यह जापान और जर्मनी से भी आगे निकल जाएगा। वहीं पाकिस्तान की आर्थिक संभावनाएं मंद दिखाई देती हैं।

पाकिस्तान में सरकारें और यहां का एलीट वर्ग काफी लंबे समय तक कश्मीर विवाद पर भारत और राष्ट्रीय भावनाओं के बीच की दुश्मनी को आगे बढ़ाता आया है। ये वर्ग अभी तक कठोर आंतरिक निर्णय लेने से बच रहा है। विशेषज्ञ मानते हैं कि आर्थिक संकट और अपने अस्तित्व का सामना कर रहा पाकिस्तान, भारत के खिलाफ दुश्मनी कायम रखने की स्थिति में नहीं है। उनकी मानें तो पाकिस्तान की सेना न तो भारत की मिलिट्री से कहीं ज्यादा मॉर्डन है और साथ ही देश में निवेश भी लगातार आसमान छू रहा है।

साद अजीज कहना है कि मौका मिलने पर भारत ने पाकिस्तान की आंतरिक कमजोरियों का फायदा उठाया। मगर इसके बाद

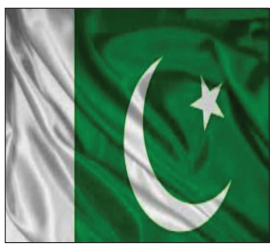

भी जिस तरह से भारत तरक्की कर रहा है पाकिस्तान उसका फायदा उठा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने राजनीतिक कद से पाकिस्तान को भी फायदा पहुंचा सकते हैं। भारत के साथ पीपुल-टू-पीपुल कॉन्टैक्ट्स और मजबूत व्यापार संबंध पाकिस्तान को उसकी खोई हुई दिशा हासिल करने में मदद कर सकते हैं।

संपादकीय

क्यों हो जाते हैं हम इतने नादान

हम जानते है समझते है की कर्ता हमारी आत्मा है और आत्मा के द्वारा कृत को ही हम सब भोगते हैं । सिर्फ जानना ही नहीं उसको जीवन के आचरणों में भी हमको लाना हैं । कहते है की संपत्ति के उत्तराधिकारी तो एक से ज्यादा हो सकते है लेकिन कर्म के उत्तराधिकारी हम स्वयं ही होते है कोई दूसरा नहीं । जब हमारा वख्त बुरा होता है तब लोग हमारा हाथ नहीं हमारी गलतियां पकड़ते है और उसका अपनी जरूरत के मुताबिक जैसे पूर्ति हो इस्तेमाल करते है ।इसके विपरीत हम समझते है कि लोग हमें पसंद करते है बस यही भ्रम है जिंदगी में हमारी सोच का ।कभी हो सकता है कर्म हमको सुख ना दे पाए। किंतु संभव नहीं कोई सुख कर्म बिन मिल जाए। कर्म की गठरी लाद के जग में फिरे इंसान । जैसा करे वैसा भरे विधि का यही विधान ।कर्म भूमि की दुनिया में,श्रम सभी को करना है ।भगवान सिर्फ लकीरें देता है रंग तो उसमे हमें ही भरना है । आर्थिक कमाई भले रुक जाए या धीमी चले पर कुछ ना कुछ और रहे आदि लेकिन हमें अपनी सही से आध्यात्मिक कमाई करते रहना है ।सोचे हम कर्मों की गठरी जो भारी हो चुकी थी कहीं ना कहीं वो हल्की हो रही है। सुख को भी पचा लो दुख को भी पचा लो ।जीवन की हर अनुकूल व प्रीतिकूल स्थितियों का बड़े आनंद के साथ मजा लो । हर स्थिति में सुख से जीना सीखो और हर परिस्थिति में संतुष्ट दीखो । हम इस दुनिया में आते है एकदम खाली हाथ और अपने साथ कुछ भी नहीं लाते हैं । ठीक इसी तरह जब यह संसार छोड़कर जाते हैं तो अपने साथ कुछ भी नहीं ले जा सकते हैं ।यानी आते हैं खाली हाथ जाते भी हैं खाली हाथ तो क्यों हो जाते हैं हम इतने नादान कि जानते हुए भी नहीं जानते यह बात। यही नहीं यह भी नहीं सोचते हम की इस खाली हाथ आने जाने वाली जिन्दगी में बात-बात में किस बात का हमको क्रोध? आदि । क्यों कर देते हैं विस्मृत हम अपना आत्मबोध। हम अपने जीवन में इतनी नादानी क्यों रखे ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

सच्ची प्रार्थना - संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

प्रार्थना परमात्मा से बात करने का सबसे प्रभावशाली तरीका है। हम सब प्रार्थना करते हैं। कोई सुबह उठकर प्रार्थना करता है, कोई रात को सोने से पहले प्रार्थना करता है। जब भी हम प्रार्थना करते हैं तो उसमें हम कुछ न कुछ दुनिया की चीज़ प्रभु से मांग रहे होते हैं।

ज्यादातर तो हम इस किस्म की प्रार्थना करते हैं कि हे प्रभु! मुझे ये शारीरिक तकलीफ हुई है, यह दूर हो जाए। हे प्रभु! मेरी माता जी को तकलीफ हो गई है, उनकी तकलीफ दूर हो जाए। हे प्रभु मेरा बिजनेस खराब हो रहा है ये बेहतर हो जाए। हम प्रार्थना करते हैं कि हमें नया घर या नई कार मिले और दुनिया की चीज़ें मिलने के साथ-साथ हमारा शरीर भी तंदुरुस्त रहे।

हम प्रार्थना उन चीज़ों की करते हैं जो हम सोचते हैं कि हमारी ज़िंदगी में बहुत ज़रूरी हैं। हमें लगता है कि हम जो माँग रहे हैं वह हमें सारी उम्र मदद करेंगी लेकिन हो सकता है वह हमारे जीवन भर के लिए सही न हो।

प्रार्थना करने का सही तरीका है कि प्रभु जो चाहे, वही हमारे जीवन में हो। प्रभु तो हमारे साथ क्या हुआ है वो जानते हैं, क्या हो रहा है वो जानते हैं और क्या होगा वो भी जानते हैं।

प्रभु जानते हैं हमारे लिए क्या बेहतर है। हम नहीं जानते हमारे लिए क्या अच्छा है। हम अपनी सीमित बुद्धि और नज़रिये के अनुसार जो हमारे लिए अच्छा होता है, वह माँगते हैं लेकिन अगर हम सब कुछ प्रभु के ऊपर छोड़ दें कि वे हमें वह दें जो हमारे लिए बेहतर हो, तो यह हमारी सच्ची प्रार्थना होगी।

राम नवमी-पुनीत पर्व

(लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

भारतीय भूमि हमेशा से ही एक पवित्र भूमि रही है, इतिहास के अनुसार यहाँ कई देवी देवताओं ने अवतार लिए है। अगर हम इसी इतिहास पर ध्यान केंद्रित करें, तो जब रावण के अत्याचार बहुत बढ़ गए और लोग परेशान हो गए, तो इन अत्याचारो से मुक्ति दिलाने के लिए पुनः भारतीय भूमि पर एक महापुरुष ने जन्म लिया। इस महापुरुष का नाम भगवान राम था, जिन्होने रावण के अत्याचारों से मुक्ति दिलवाई और उस वक़्त लोगों का उद्धार किया। त्रेता युग में जन्में भगवान राम के जन्मदिवस को ही राम नवमी के रूप में मनाया जाता है।

महत्व

हर हिन्दू त्योहार का अपना एक अलग महत्व होता है, उसी तरह से राम नवमी का यह त्योहार धरती पर से बुरी शक्तियों के पतन और यहाँ साधारण मनुष्यों को अत्याचारों से मुक्ति दिलवाने के लिए भगवान के स्वयं आगमन का प्रतीक मानी जाती है। इस दिन धरती पर से असुरों के अत्याचारों को समाप्त करने के लिए भगवान विष्णु ने स्वयं धरती पर अवतार लिया था। राम नवमी सभी हिंदुओं के लिए एक खास उत्सव है, जिसे वह पूरे उत्साह से मनाता है। इस दिन जन्में श्री राम ने धरती पर से रावण के अत्याचार को समाप्त कर यहाँ राम राज्य की स्थापना की थी और दैवीय शक्ति के महत्व को समझाया था।

इस दिन ही नवरात्रि का अंतिम दिन भी होता है, इसलिए दो प्रमुख हिन्दू त्योहारो का एक साथ होना, इस त्योहार के महत्व को और अधिक बढ़ा देता है। कहा जाता है कि श्री गोस्वामी तुलसीदास जी ने जिस राम चरित मानस की रचना की थी, उसका आरंभ भी उन्होने इसी दिन से किया था।

त्रेता युग में जब धरती पर रावण और तड़का जैसे असुरो का आतंक बढ़ गया तो स्वयं भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के अवतारो का धरती पर आगमन हुआ और इन्होने अपने भक्तो का उद्धार किया। पुरानी कथाओ के अनुसार त्रेता युग में अयोध्या के राजा दशरथ की 3 पत्नियाँ थी, परंतु फिर भी वे संतान सुख से वंचित थे। महाराज दशरथ ने अपनी एक मात्र पुत्री शांता को गोद दे दिया था, जिसके बाद उन्हें कई वर्षो तक कोई संतान नहीं हुई। इससे व्यथित राजा दशरथ को ऋषि वशिष्ठ ने कमेष्टि यज्ञ करवाने की आज्ञा दी। इस यज्ञ के फलस्वरूप राजा दशरथ के यहाँ तीनों रानियों को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई और उनकी प्रथम पत्नी कौशल्या की कोख से भगवान राम का जन्म हुआ। राजा दशरथ के तीन अन्य पुत्र भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न थे।

राम के गुरु :

ब्रह्म ऋषि वशिष्ठ भगवान राम के गुरु थे, जिन्होंने उन्हें वैदिक ज्ञान के साथ- साथ शस्त्र अस्त्र में निपूर्ण किया। ब्रह्म ऋषि विश्वामित्र ने भी राम को शस्त्र विद्या दी और इन्ही के मार्गदर्शन में राम ने तड़का वध एवम अहिल्या उद्धार किया और सीता स्वयम्वर में हिस्सा लिया और सीता से विवाह किया।

राम वनवास कथा

महाराज दशरथ अपने जेष्ठ पुत्र राम को अपना उत्तराधिकारी बनाना चाहते थे, लेकिन उनकी अन्य पत्नी कैकई की मंशा थी, कि उनका पुत्र भरत सिंहासन पर बैठे, इसलिए उन्होंने राजा दशरथ से अपने दो वरदान (यह वे वरदान थे, जिनका वचन राजा दशरथ ने तब दिया था, जब युद्ध के दौरान रानी कैकई ने राजा दशरथ के प्राणों की रक्षा की थी) मांगे, जिसमे उन्होंने भरत का राज्य अभिषेक और राम के लिए वनवास माँगा और इस तरह भगवान राम को चौदह वर्षो का वनवास मिला। इस वनवास में सीता एवम भाई लक्ष्मण ने भी अपने भाई के साथ जाना स्वीकार किया। साथ ही भरत ने भी भातृप्रेम को सर्वोपरि रखा और एक वनवासी की तरह ही चौदह वर्षो तक अयोध्या को एक अमानत के रूप में स्वीकार किया।

वनवास काल :

इस वनवास में भगवान राम ने कई असुरों का संहार किया। शायद कैकई के वचन केवल आधार थे, क्यूंकि नियति कुछ इस प्रकार थी। भगवान राम ने अपने वनवास काल में हनुमान जैसे सेवक, सुग्रीव जैसे मित्र को पाया। नियति ने सीता अपहरण को निम्मित बनाकर रावण का संहार किया। सीता जन्म का उद्देश्य ही रावण संहार था, जिसे श्री राम ने पूरा कर मनुष्य जाति का उद्धार किया।

राम राज्य :

श्री ने वनवास काल पूर्ण किया और भरत ने अपने बड़े भ्राता को अयोध्या का राज पाठ सौंपा। मर्यादा पुरुषोत्तम राम ने एक ऐसे राम राज्य की स्थापना की। जिसे सदैव आदर्श के रूप में देखा गया। राम ने प्रजा हित के सीता का परित्याग किया। अपने कर्तव्यों के लिए उन्होंने स्वहित को द्वीतीय स्थान दिया और इस तरह राम राज्य की स्थापना की।

राम के लव कुश :

सीता ने प्रजाहित के लिए परित्याग स्वीकार किया और अपना जीवन वाल्मीकि आश्रम में बिताया और उस समय सीता ने दो पुत्रो को जन्म दिया, जिनका नाम लव कुश था। यह दोनों ही पिता के समान तेजस्वी थे। इन्ही के हाथो राम ने अपने राज्य को सौंपा और स्वयं ने अपने विष्णु अवतार को धारण कर अपने मानव जीवन को छोड़ा।

त्रेता युग में लोग रावण नामक राक्षस के अत्याचार बहुत बढ़ गए थे और लोग परेशान हो गए थे। रावण महाज्ञानी था और महापराक्रमी भी, वह भगवान शिव का महाभक्त भी था। उसे वरदान भी प्राप्त थे, उसका खात्मा किसी साधारण मनुष्य के वश में नहीं था। तब लोगों को उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलवाने के लिए भगवान विष्णु ने स्वयं धरती पर अवतार लिया। उनका जन्म चैत्र शुक्ल पक्ष की नवमी के दिन रानी कौशल्या की कोख से हुआ था। इसलिए यह दिन सभी भारत वासियों के लिए खास है, जिसे विशेष उत्साह के साथ पूरे देश मे मनाया जाता है।

परंतु रावण का वध करना श्री राम के पूजन का कारण नहीं है, बल्कि श्री राम का पूरा जीवन ही एक उदाहरण है। अपने जीवन चरित्र के चलते श्री राम मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए। इन्होने अपने पिता के एक आदेश मात्र पर, महल के सुख त्यागकर वन जीवन को स्वीकार किया था। इस प्रकार इनके जीवन को एक आदर्श जीवन के रूप मे प्रस्तुत करना और आने वाली पीढ़ियों तक यह संदेश पंहुचाना भी इस दिन को मनाने का एक उद्देश्य है।

राम नवमी हिन्दू धर्म के लोगों द्वारा मनाया जाने वाला एक त्योहार है, जिसे भगवान राम के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, यह त्योहार नवमी तिथि के दिन पड़ता है और इसका माह चैत्र है। चैत्र माह में माँ दुर्गा की भी पूजा की जाती है और नवरात्रि मनाई जाती है। इसी दौरान नवरात्रि के नौवे दिन राम नवमी होती है। हिन्दू धर्म में इस दिन विभिन्न धार्मिक ग्रंथो का पाठ, हवन पूजन, भजन आदि किया जाता है। इस दिन कई लोग शिशु रूप में भगवान राम की मूर्ति पूजा भी करते है।

इस दिन राम लला के मंदिर आकर्षण का केंद्र होते है, साथ ही यहाँ का प्रसाद वितरण भी खास होता है। कुछ लोग इस समय नवरात्रि में पूरे नौ दिन का उपवास रखते है और अंतिम दिन भगवान राम की पूजा के बाद उपवास खोलते है और आशीर्वाद प्राप्त करते है। जैसा की हम जानते है, भारत में बहुत ही विभिन्नताएँ है, इसलिए यहाँ प्रचलित कुछ मानताओं में भी कुछ विभिन्नता देखने के लिए मिलती है। दक्षिण भारत के लोग इस त्योहार को भगवान राम और देवी सीता की शादी की सालगिरह के रूप में मानते है, परंतु रामायण के अनुसार अयोध्यावासी पंचमी के दिन इनका विवाहोत्सव मनाते है।

अलग अलग क्षेत्रों में इस त्योहार को मनाने का तरीका भी अलग है। जहां अयोध्या और बनारस में इस दिन गंगा और सरयू में स्नान के बाद डुबकी लगाई जाती है और भगवान राम, सीता और हनुमान की रथ यात्रा का आयोजन किया जाता है, वही अयोध्या, सितामणि, बिहार रामेश्वरम आदि जगहो पर चैत्र पक्ष की नवमी पर भव्य आयोजन किए जाते है। यह दिन सभी हिंदुओं के लिए खास होता है, बस सबके मनाने का तरीका अलग होता है।

कई जगहों पर इस दिन पंडालों में भगवान राम की मूर्ति कि स्थापना भी कि जाती है। यह दिन भगवान राम की जन्म स्थली अयोध्या में विशेष रूप से मनाया जाता है, परंतु यहाँ अब भी भगवान राम का मंदिर बनना बाकी है।

भगवान राम का पूरा जीवन ही एक उदाहरण है उनका जीवन त्याग, तप सम्मान और शांति का प्रतीक है। इनका जीवन पारिवारिक प्रेम का भी उदाहरण हैं इनके मन मे अपने भाइयो के प्रति अपार प्रेम था जो माता कैकई के भेदभाव के बाद भी कम नहीं हुआ। इसी के साथ कैकई के गलत निर्णय के बाद भी इनके मन मे अपनी माँ कैकई के लिए भी समान सम्मान और प्यार था। इसके अलावा उनका जीवन यह बात भी दर्शाता है कि जब जब धरती पर अत्याचार बढ़ेंगे और पाप का घड़ा पुण्य से ज्यादा उचा होगा तो आम जनता को उनसे बचाने वाले का भी अवतरण होगा। वैसे तो संपूर्ण भारतीय इतिहास ही इस बात का उदाहरण है तभी तो यहाँ कृष्ण, राम और अन्य कई भगवान के अवतरण के प्रतीक आज भी देखने के लिए मिलते है।

राम नाम का महत्व न जाने वो अज्ञानी अभागा हैं
जिसके दिल में राम बसा वो सुखद जीवन पाता हैं
राम नवमी पर जन्म हुआ इस मर्यादा पुरुषोत्तम राम का
जिसने रावण के अहंकार को मिटाकर फैराया पताका सच्चाई का।

सनातन संस्कृति के आदर्श श्रीराम

लेखक -सुनील माथुर)

(श्रीराम नवमी पर विशेष)

श्रीराम हमारे आराध्य हैं। वह सनातन संस्कृत के ध्वजवाहक हैं। राम सिर्फ मर्यादा पुरुषोत्तम ही नहीं हमारे समग्र संस्कार में समाहित हैं। राम के बिना पूरी हिंदू संस्कृति अधूरी है। वह जीवन दर्शन हैं। श्रीराम हमारे संस्कार हैं। हमें सदसच्चरित्र देते हैं। अत्याचार से लड़ने की तागत देते हैं। विषम परिस्थितियों में भी जीवन को कैसे जिया जाय यह भी बताते हैं। श्रीराम के लिए धन, वैभव, यश, मान, सम्मान से कहीं अधिक ऊंचा उनका आचरण है। उन्हें सत्ता नहीं सदाचार प्रिय। वह हमेशा मर्यादा में रहना चाहते हैं और हर प्राणी के सम्मान की रक्षा चाहते हैं। वह प्रजारंजक हैं। उपकार और परोपकार उनका जीवन दर्शन है। इसलिए राम हमारे कण-कण में विराजमान है। श्रीराम को भगवान के रूप में पूजने के बजाय हम उन्हें लोक नायक के रूप में अधिक समझ सकते हैं। तभी हमारे लिए चैत रामनवमी की सार्थकता समझ में आएगी।

अयोध्या श्रीराम की जन्मभूमि और जीवन संस्कार है। हिंदू धर्म की पौराणिक मान्यता के अनुसार अयोध्या सप्त पुरियों मथुरा, माया , काशी, कांची, अवंतिका और द्वारका में शामिल है। श्रीराम की नगरी अयोध्या को अथर्ववेद में भगवान की नगरी कहा गया है। अयोध्या के शाब्दिक विश्लेषण से पता चलता है कि अ से ब्रह्मा, य से विष्णु और ध से रुद्र यानी त्रिदेव का स्वरूप है अयोध्या। जहां ब्रह्मा, विष्णु और शंकरजी स्वयं विराजमान हैं। अयोध्या के कण-कण में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम बसे हैं। इसे हिंदू, बौद्ध, जैन और सिख धर्म का मौलिक स्वरूप माना जाता है। सरयू नदी के पावन तट पर बसी है अयोध्या। इसकी स्थापना महाराज मनु ने की थीं। इसे साकेत के नाम से भी जाना जाता है।

श्रीराम विकारों से मुक्त उत्तम और मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। इसी लिया उन्हें श्रेष्ठ मर्यादा का वाहक मर्यादा पुरुषोत्तम कहा गया है। वह धर्म, विवेक और आदर्श, के साथ मर्यादा और नैतिकता के प्रतीक हैं। वह मनवता के धर्मप्राण हैं। अहंकार और अविवेक रहित हैं। वह क्रोध, पाप से बिलग हैं। वह समदर्शी हैं। उन्होंने अपने निहित स्वार्थ के लिए धर्म की ध्वज को कभी गिरने नहीं दिया। न्याय और धर्म को हमेशा शीर्ष पर रखा। पिता महराज दशरथ और माँ कैकैई के वचनों के अनुपालन में राजसत्ता और वनवास को त्याग दिया। प्रजा के भावनाओं को उन्होंने हमेशा सम्मान किया। अयोध्या की प्रजा कि तरफ़ से आशंका उठने पर माँ सीता को वनवास भेज दिया। श्रीराम लोक मर्यादा को कहीं से भी भंग नहीं होने दिया। यहीं वजह रहीं कि वह लोकरंजक कहलाए। उन्हें प्रजारंजक कहा गया। राज्य विस्तार को उन्होंने सिरे से खारिज किया। लंका को जीत कर विभीषण का राजतिलक किया। बालि के कुकर्मों का अंतकर सुग्रीव को राजा बनाया तो अंगद को युवराज। राक्षसों को वध कर दण्डकारण्य ऋषियों और मुनियों को दिया।

श्रीराम हिंदुत्व के ध्वजवाहक हैं। वह धर्म हैं, संस्कार हैं। संस्कृति हैं। श्रीराम हिंदुत्व के राग, रंग और संस्कार हैं।वह मानववता के आधार स्तम्भ हैं। उनका अवतार ही इस धरा पर धर्म के अवतार के रूप में हुआ। मानवता के कल्याण और समाज के आदर्शवाद के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन लोक कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने हमेशा अयोध्या में धर्म को राज्य के नीति में शामिल किया।

श्रीराम की अयोध्या रघुवंशी राजाओं की बेहद प्राचीन राजधानी थी। यह यह कौशल की राजधानी थी। वाल्मीकि रामायण में अयोध्या 12 योजन लम्बी और 3 योजन चौड़ी बताई गई है। आईन-ए-अकबरी के अनुसार अयोध्या कि लंबाई 148 कोस तथा चौड़ाई 32 कोस मानी गई है। 'कोसल नाम मुदित- स्फीतो जनपदो महान। निविष्ट- सरयूतीरे प्रभूतधनधान्यवान' का उल्लेख है। अयोध्या के दर्शनीय स्थलों में हनुमान गढ़ी, रामदरबार, सीतामहल, राम की पैड़ी, गुप्त द्वार घाट, कैकेयी घाट, कौशल्या घाट, पापमोचन घाट, लक्ष्मण जैसे प्रमुख स्थल हैं। भगवान राम का जन्म चैत्र मास की नवमी को रामनवमी के रूप में मनाया जाता है। कहते हैं कि 1528 में बाबर के सेनापति मीरबकी ने अयोध्या में राम जन्मभूमि पर स्थित मंदिर तोड़कर बाबरी मस्जिद बनवाई। अयोध्या का का शाब्दिक अर्थ है जहाँ कभी युध्द न हुआ हो अर्थात अ-युध्य अथार्थ 'जहां कभी युद्ध नहीं होता।

देश में हम रामराज्य स्थापित करना चाहते हैं लेकिन राम जैसा आचरण हम नहीं करते हैं। हम श्रीराम को वोट बैंक बना कर सिर्फ सत्ता साधना चाहते हैं। लेकिन हमें श्रीराम जैसा आचरण करने की भी जरूरत है। हम श्रीराम का नाम लेकर सत्ता में आ जाते हैं और अपने दलिए हितों के लिए लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं और संस्थाओं का दुरुपयोग करते हैं। जबकि श्रीराम ने ऐसा कभी नहीं किया उन्होंने लोक मर्यादा के संरक्षण के लिए अयोध्या का राज सिंहासन भी त्याग दिया। परिवार में लोकतंत्र कायम करते हुए वनवास चले गए। हम नारों से रामराज्य नहीं ला सकते हैं। राजनीति में चाल, चरित्र और चेहरा बदलने की आवश्यकता है।

(स्वतंत्र लेखक और पत्रकार)

विचार मंथन

इजराइल में जीता लोकतंत्र, झुके प्रधानमंत्री नेतन्याहू

(लेखक-सनत जैन)

इजराइल में हो रहे जन आंदोलन ने प्रधानमंत्री नेतन्याहू को उनकी हेसियत बता दी है। वह एक तानाशाह की तरह संविधान को अपने अनुकूल बनाकर प्रधानमंत्री पद पर हमेशा बने रहने की राह पर चल रहे थे। लेकिन जन आंदोलन ने उनकी हवा निकाल दी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सरकार में न्यायिक सुधारों की योजना को अब टालने का निर्णय लिया है। वह न्यायपालिका में इस तरीके के सुधार करना चाहते थे। जिससे प्रधानमंत्री नेतन्याहू जो भी चाहें, वह निर्णय कर सकें, उन पर न्यायपालिका का कोई हस्तक्षेप ना हो। इसके लिए संविधान में संशोधन कर रहे थे। इसमें सरकार को जजों की नियुक्ति करने का अधिकार मिल जाता। प्रधानमंत्री नेतन्याहू को किसी भी मामले में दोषी नहीं ठहराया जा सकता था। न्यायपालिका किसी भी मामले में प्रधानमंत्री के खिलाफ कोई आदेश नहीं दे सकती थी। न्यायिक सुधार का जो बिल पेश किया गया था। उसमें देश की संसद के जरिए सत्ताधारी पार्टी को, इजरायल की न्यायपालिका पर नियंत्रण का अधिकार मिल जाता। इसमें न्यायाधीशों का चयन, सर्वोच्च न्यायालय किन विषयों पर विचार करे, यहां तक कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए फैसले को पलटने का अधिकार भी सरकार को दिया जा रहा था। इसमें बिल का एक हिस्सा पहले ही पारित किया जा चुका था।

न्यायिक सुधार का जो बिल पेश किया गया, यदि यह लागू हो जाएगा, तो इजराइल में लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। प्रधानमंत्री के पास, सरकार और संसद की सारी शक्तियां निहित हो जाएंगी। इस तरह से लोकतंत्र के स्थान पर तानाशाही वाला शासन इजराइल में लागू हो जाता।

इजरायल की जनता प्रारंभ से ही न्यायिक सुधार बिल का विरोध कर रही थी। लेकिन बहुमत के आधार पर बिल पास करने पर नेतन्याहू अड़े हुए थे। जिसके कारण इजराइल की 84 लाख की आबादी वाले देश में, 60 लाख से अधिक लोग सड़कों पर आ गए। इजराइल में नागरिकों के साथ-साथ सभी बड़ी ट्रेड यूनियन, डॉक्टरों उद्योगपतियों और सेना के एक बड़े वर्ग ने सड़क पर उतर कर प्रदर्शन किया। कई शहरों के एयरपोर्ट बंद हो गए। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जब देश के रक्षा मंत्री योआव गेलेंट को बर्खास्त किया। उसके बाद इजराइल की जनता भड़क गई। इजराइल में उग्र प्रदर्शन शुरू हो गए। प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री आवास की ओर कूच कर गए। प्रदर्शनकारी रात भर संसद के सामने जमे रहे। इन प्रदर्शन से घबराकर प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अपने कदम पीछे खींच लिए। न्यायिक सुधारों को लेकर इजरायल के इतिहास में अभी तक का सबसे बड़ा जन आंदोलन था। पहली बार इजरायल को इस आंदोलन की ताकत को सारी दुनिया ने देखा है। न्यायिक सुधारों के विरोध में हुए, इस आंदोलन में भारत की सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश नागेश्वर राव भी आमंत्रित किए गए थे। न्यायिक स्वतंत्रता पर उन्होंने एक आपातकालीन सम्मेलन में भाग लिया था। न्यायिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए इस आंदोलन को उन्होंने लोकतंत्र की सबसे बड़ी जीत बताया है। इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू पर धोखाधड़ी, रिश्वतखोरी आदि को लेकर कई

मुकदमे अदालतों में चल रहे हैं। उन्हें डर है, कि जब इसके फैसले आएंगे। तो उन्हें सजा हो सकती है। इससे बचने के लिए उन्होंने न्यायिक सुधार के नाम पर अपने आप को सुरक्षित रखने के लिए न्यायिक सुधार का बिल लाये थे। लेकिन जन आंदोलन ने उसे पूरी तरह से विफल कर दिया। भविष्य को नेतन्याहू का राजनैतिक जीवन भी उसका आसान नहीं होगा। जो उन्होंने सोच लिया था। अब उन्हें कई परीक्षाओं के दौर से गुजरना होगा।

रामनवमी पूजा की एकदम सरल विधि

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में रामनवमी मनाई जाती है जो कि भगवान विष्णु के 7वें अवतार थे। प्रत्येक साल हिन्दू कैंलेडर के अनुसार चैत्र मास की नवमी तिथि को श्रीराम नवमी के रूप मनाया जाता है। चैत्र मास की प्रतिपदा से लेकर नवमी तक नवरात्रि भी मनाई जाती है। इन दिनों कई लोग उपवास भी रखते हैं।

रामनवमी उत्सव

श्री रामनवमी हिन्दुओं के प्रमुख त्यौहारों में से एक है जो देश-दुनिया में सच्ची श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। यह त्यौहार वैष्णव समुदाय में विशेषतौर पर मनाया जाता है।

- आज के दिन भक्तगण रामायण का पाठ करते हैं।
- रामरक्षा स्त्रोत भी पढ़ते हैं।
- कई जगह भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया जाता है।
- भगवान राम की मूर्ति को फूल-माला से सजाते हैं और स्थापित करते हैं।
- भगवान राम की मूर्ति को पालने में झुलाते हैं।

राम नवमी की पूजा विधि

राम नवमी की पूजा विधि कुछ इस प्रकार है :

- सबसे पहले स्नान करके पवित्र होकर पूजा स्थल पर पूजन सामग्री के साथ बैठें।
- पूजा में तुलसी पत्ता और कमल का फूल अवश्य होना चाहिए।
- उसके बाद श्रीराम नवमी की पूजा षोडशोपचार करें।
- खीर और फल-मूल को प्रसाद के रूप में तैयार करें।
- पूजा के बाद घर की सबसे छोटी बालिका/महिला सभी लोगों के माथे पर तिलक लगाएं।

पौराणिक मान्यता

श्री रामनवमी की कहानी लंकाधिराज रावण से शुरू होती है। रावण अपने राज्यकाल में बहुत अत्याचार करता था। उसके अत्याचार से पूरी जनता त्रस्त थी, देवतागण भी, क्योंकि रावण ने ब्रह्मा जी से अमर होने का वरदान ले लिया था। उसके अत्याचार से तंग होकर देवतागण भगवान विष्णु के पास गए और प्रार्थना करने लगे। फलस्वरूप प्रतापी राजा दशरथ की पत्नी कौशल्या की कोख से भगवान विष्णु ने राम के रूप में रावण को परास्त करने हेतु जन्म लिया। तब से चैत्र की नवमी तिथि को रामनवमी के रूप में मनाने की परंपरा शुरू हुई। नवमी के दिन ही स्वामी तुलसीदास ने रामचरित मानस की रचना शुरू की थी।

भगवान श्रीराम के इन गुणों से हमें भी सीखना चाहिए

भगवान श्रीराम के जीवन से हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है। खासतौर पर उनके द्वारा अपनाई गई व्यावहारिक नीतियां, यहीं कारण था कि कठिन परिस्थितियों में भी वे सफल रहे। भगवान श्रीराम के स्वभाव के इन 11 गुणों से सीखना चाहिए .

- सभी से हंसते-मुस्कुराते मिलना।
- लोगों के नामों को याद रखना और उन्हें, उन्हीं नाम से संबोधित करना।
- दूसरों की बातों को ध्यान और धीरज से सुनना।
- लोगों के प्रति सच्ची निष्ठा रखना।
- दूसरे व्यक्तियों को सम्मान देना।
- किसी को अपने विचार मनवाने के लिए तर्क और विवाद का सहारा नहीं लेना।
- उच्च आदर्श व सिद्धांत का पालन करने में हर कठिनाई को सहन करने के लिए तैयार रहना।
- दूसरे के विचारों और भावनाओं के प्रति सच्ची सहानुभूति रखना।
- दूसरे की दृष्टि से घटनाओं या वस्तुओं को देखने का प्रयास करना।
- अपनी त्रुटि (गलती) को शीघ्र स्वीकार कर लेना।
- दूसरे व्यक्तियों के विचारों के प्रति आदर की भावना होना।

श्री राम के चरण कमल पर शीश
झुकाएं जीवन में हर खुशियां पाएं.
राम नवमी की हार्दिक शुभकामनाएं!

श्री राम नवमी 2023 के शुभ मुहूर्त

चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी के दिन प्रभु श्रीराम का जन्म हुआ था। इसलिए इसे रामनवमी कहते हैं। पूरे देश में रामनवमी का पर्व बड़े ही धूम धाम से मनाया जाता है। इस दिन श्रीराम के बालरूप की पूजा होती है। आओ जानते हैं कि पूजा के क्या है शुभ मुहूर्त और कैसे किस मंत्र से करें श्रीराम की पूजा।

श्री राम नवमी के शुभ संयोग -

सर्वार्थसिद्धि योग- प्रात : 06 :25 से 10 :59 तक। इसके बाद रात्रि में अमृतसिद्धि योग, गुरु पुष्य योग और पुन : सर्वार्थसिद्धि योग रहेगा।

रामनवमी की पूजा के शुभ मुहूर्त-

-ब्रह्म मुहूर्त- प्रात : 04 :49 से 05 :37 तक।
-अभिजीत मुहूर्त- दोपहर 12 :07 से 12 :55 तक।
-अमृत काल- शाम 08 :18 से 10 :05 तक।
-रामनवमी पूजा का सबसे शुभ मुहूर्त- 11 :11 :38 से 13 :40 :20 तक।

श्री राम चालीसा

हिन्दू धर्मग्रंथों के अनुसार मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम विष्णु के दशावतारों में से 7वें अवतार हैं। श्रीराम एक आदर्श पुरुष थे। राम नवमी के दिन उनका पूजन, मंत्र, स्तुति, चालीसा, आरती, रामाष्टक आदि का पाठ करने से मनुष्य जीवन के भवसागर से पार पा जाते हैं, अतः हर मनुष्य को प्रतिदिन श्री राम की स्तुति करते हुए यह पाठ अवश्य करना चाहिए। अगर आप प्रतिदिन नहीं कर पा रहे हैं तो राम नवमी के दिन अवश्य ही पढ़ना चाहिए।

चौपाई

श्री रघुवीर भक्त हितकारी। सुन लीजै प्रभु अरज हमारी।।
निशिदिन ध्यान धरै जो कोई। ता सम भक्त और नहिं होई।।
ध्यान धरे शिवजी मन माहीं। ब्रह्म इन्द्र पार नहिं पाहीं।।
दूत तुम्हार वीर हनुमाना। जासु प्रभाव तिहूं पुर जाना।।
तब भुज दण्ड प्रचण्ड कृपाला। रावण मारि सुरन प्रतिपाला।।
तुम अनाथ के नाथ गुंसाई। दीनन के हो सदा सहाई।।
ब्रह्मादिक तव पारन पावैं। सदा ईश तुम्हरो यश गावैं।।
चारिउ वेद भरत हैं साखी। तुम भक्तन की लज्जा राखीं।।
गुण गावत शारद मन माहीं। सुरपति ताको पार न पाहीं।।
नाम तुम्हार लेत जो कोई। ता सम धन्य और नहिं होई।।
राम नाम है अपरम्पारा। चारिहु वेदन जाहि पुकारा।।
गणपति नाम तुम्हारो लीन्हो। तिनको प्रथम पूज्य तुम कीन्हो।।
शेष रटत नित नाम तुम्हारा। महि को भार शीश पर धारा।।
फूल समान रहत सो भारा। पाव न कोऊ तुम्हरो पारा।।
भरत नाम तुम्हरो उर धारो। तासों कबहुं न रण में हारो।।
नाम शक्षुहन हृदय प्रकाशा। सुमिरत होत शत्रु कर नाशा।।
लखन तुम्हारे आज्ञाकारी। सदा करत सन्तन रखवारी।।
ताते रण जीते नहिं कोई। युद्ध जुरे यमहूं किन होई।।
महालक्ष्मी धर अवतारा। सब विधि करत पाप को छारा।।
सीता राम पुनीता गायो। भुवनेश्वरी प्रभाव दिखायो।।
घट सों प्रकट भई सो आई। जाको देखत चन्द्र लजाई।।
सो तुमरे नित पांव पलोटत। नवो निद्धि चरणन में लोटत।।
सिद्धि अठारह मंगलकारी। सो तुम पर जावै बलिहारी।।
औरहु जो अनेक प्रभुताई। सो सीतापति तुमहिं बनाई।।
इच्छा ते कोटिन संसारा। रचत न लागत पल की बारा।।
जो तुम्हे चरणन चित लावै। ताकी मुक्ति अवसि हो जावै।।
जय जय जय प्रभु ज्योति स्वरूपा। निर्गुण ब्रह्म अखण्ड अनूपा।।
सत्य सत्य जय सत्यव्रत स्वामी। सत्य सनातन अन्तर्यामी।।
सत्य भजन तुम्हरो जो गावै। सो निश्चय चारों फल पावै।।
सत्य शपथ गौरीपति कीन्हीं। तुमने भक्तिहिं सब विधि दीन्हीं।।
सुनहु राम तुम तात हमारे। तुमहिं भरत कुल पूज्य प्रचारे।।
तुमहिं देव कुल देव हमारे। तुम गुरु देव प्राण के प्यारे।।
जो कुछ हो सो तुम ही राजा। जय जय जय प्रभु राखो लाजा।।
राम आत्मा पोषण हारे। जय जय दशरथ राज दुलारे।।
ज्ञान हृदय दो ज्ञान स्वरूपा। नमो नमो जय जगपति भूपा।।
धन्य धन्य तुम धन्य प्रतापा। नाम तुम्हार हरत संतापा।।
सत्य शुद्ध देवन मुख गाया। बजी दुन्दुभी शंख बजाया।।
सत्य सत्य तुम सत्य सनातन। तुम ही हो हमरे तन मन धन।।
याको पाठ करे जो कोई। ज्ञान प्रकट ताके उर होई।।
आवागमन मिटै तिहि केरा। सत्य वचन माने शिर मेरा।।
और आस मन में जो होई। मनवांछित फल पावे सोई।।
तीनहुं काल ध्यान जो ल्यावै। तुलसी दल अरु फूल चढ़ावै।।
साग पत्र सो भोग लगावै। सो नर सकल सिद्धता पावै।।
अन्त समय रघुबरपुर जाई। जहां जन्म हरि भक्त कहाई।।
श्री हरिदास कहै अरु गावै। सो बैकुण्ठ धाम को पावै।।

दोहा

सात दिवस जो नेम कर, पाठ करे चित लाय।
हरिदास हरि कृपा से, अवसि भक्ति को पाय।।
राम चालीसा जो पढ़े, राम चरण चित लाय।
जो इच्छा मन में करै, सकल सिद्ध हो जाय।।
।।इतिश्री प्रभु श्रीराम चालीसा समाप्त:।।

राम नवमी
क्यों मनाया जाता है यह दिन

राम नवमी का संबंध भगवान विष्णु के अवतार मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम से है। भगवान विष्णु ने अधर्म का नाश कर धर्म की स्थापना करने के लिये हर युग में अवतार धारण किए। इन्हीं में एक अवतार उन्होंने भगवान श्री राम के रुप में लिया था। जिस दिन भगवान श्री हरि ने राम के रूप में राजा दशरथ के यहां माता कौशल्या की कोख से जन्म लिया वह दिन चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी का दिन था। यही कारण है कि इस तिथि को रामनवमी के रूप में मनाया जाता है। चैत्र नवरात्रि का भी यह अंतिम दिन होता है।

श्री राम का जन्म

पौराणिक ग्रंथों में जो कथाएं हैं उनके अनुसार भगवान राम त्रेता युग में अवतरित हुए। उनके जन्म का एकमात्र उद्देश्य मानव मात्र का कल्याण करना, मानव समाज के लिए एक आदर्श पुरुष की मिसाल पेश करना और अधर्म का नाश कर धर्म की स्थापना करना था। यहां धर्म का अर्थ किसी विशेष धर्म के लिए नहीं बल्कि एक आदर्श कल्याणकारी समाज की स्थापना से है।

राजा दशरथ जिनका प्रताप 10 दिशाओं में व्याप्त रहा। उन्होंने तीन विवाह किए थे लेकिन किसी भी रानी से उन्हें पुत्र की प्राप्ति नहीं हुई। ऋषि मुनियों से जब इस बारे में विमर्श किया तो उन्होंने पुत्रेष्टि यज्ञ करवाने की सलाह दी। पुत्रेष्टि यज्ञ करवाने के पश्चात यज्ञ से जो खीर प्राप्त हुई उसे राजा दशरथ ने अपनी प्रिय पत्नी कौशल्या को दे दिया।

कौशल्या ने उसमें से आधा हिस्सा केकैयी को दिया इसके पश्चात कौशल्या और केकैयी ने अपने हिस्से से आधा-आधा हिस्सा तीसरी पत्नी सुमित्रा को दे दिया। इसीलिए चैत्र शुक्ल नवमी को पुनर्वसु नक्षत्र एवं कर्क लग्न में माता कौशल्या की कोख से भगवान श्री राम जन्मे। कैकैयी से भरत ने जन्म लिया तो सुमित्रा ने लक्ष्मण व शत्रुघ्न को जन्म दिया।

कैसे मनाते हैं रामनवमी

भगवान श्री राम को मर्यादा का प्रतीक माना जाता है। उन्हें पुरुषोत्तम यानि श्रेष्ठ पुरुष की संज्ञा दी जाती है। वे स्त्री पुरुष में भेद नहीं करते। अनेक उदाहरण हैं जहां वे अपनी पत्नी सीता के प्रति समर्पित व उनका सम्मान करते नजर आते हैं। वे समाज में व्याप्त ऊंच-नीच को भी नहीं मानते। शबरी के झूठे बेर खाने का और केवट की नाव चढ़ने का उदाहरण इसे समझने के लिए सर्वोत्तम है। वेद शास्त्रों के ज्ञाता और समस्त लोकों पर अपने पराक्रम का परचम लहराने वाले, विभिन्न कलाओं में निपुण लंकापति रावण के अंहकार के किले को ध्वस्त करने वाले पराक्रमी भगवान श्री राम का जन्मोत्सव देश भर में धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस दिन भगवान श्री राम की भक्ति में डूबकर भजन कीर्तन किए जाते हैं। श्री रामकथा सुनी जाती है। रामचरित मानस का पाठ करवाया जाता है। श्री राम स्त्रोत का पाठ किया जाता है। कई जगहों भर भगवान श्री राम की प्रतिमा को झूले में भी झुलाया जाता है। रामनवमी को उपवास भी रखा जाता है। मान्यता है कि रामनवमी का उपवास रखने से सुख समृद्धि आती है और पाप नष्ट होते हैं।

श्री राम को प्रसन्न करेंगे तो मिलेंगे विजय और उन्नति के शुभ आशीष

10 अप्रैल को रामनवमी का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन प्रभु श्रीराम का जन्म हुआ था। उनके जन्मोत्सव पर उन्हें सरल उपायों से प्रसन्न करके उनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकते है जिससे हर क्षेत्र में विजय और उन्नति मिलेगी।

- रामनवमी के दिन 1 कटोरी में गंगा जल लेकर राम रक्षा मंत्र 'ऊँ श्रीं ह्रीं क्लीं रामचन्द्राय श्रीं नम:' का 108 बार जाप करें। फिर पूरे घर के कोने-कोने में उस जल का छिड़काव कर दें। इससे घर का वास्तुदोष तथा भूत-प्रेत, नजर बाधा, तंत्र बाधा आदि समाप्त हो जाते हैं। यह उपाय आप अपने ऑफिस-दुकान या व्यवसाय स्थल में भी कर सकते हैं।
- राम नवमी के दिन भगवान श्रीराम के मंदिर में या उनके चित्र के सामने 3 बार अलग-अलग समय पर श्रीरामचन्द्र कृपालु भजु मन,का पाठ करें, इससे जीवन की हर चीजें अनुकूल होने लगती है।
- रामनवमी पर भगवान श्रीराम का पूजन और वंदन करने से सुख, समृद्धि और शांति बढ़ती है। साथ ही संतान सुख की प्राप्ति होती है।
- नवमी के दिन लौकी खाना निषेध है, क्योंकि इस दिन लौकी का सेवन गौ-मांस के समान माना गया है। इस दिन कड़ी, पूरणपौल, खीर, पूरी, साग, भजिये, हलवा, कद्दू या आलू की सब्जी बनाई जा सकती है। माता दुर्गा और श्रीराम को भोग लगाने के बाद ही भोजन किया जाता है। इससे प्रभु श्रीराम प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं।
- भगवान श्रीरामजी को केसर भात, खीर, कलाकंद, बर्फी, गुलाब जामुन का भोग प्रिय है। इसके अलावा हलुआ, पूरनपोळी, लड्डू और सिवइयां भी उनको पसंद हैं।
- पंचामृत और धनिया पंजीरी दो तरह के प्रसाद उन्हें अर्पित किए जाते हैं। यह रामजी को बहुत ही पसंद है। उन्हें धनिए का प्रसाद चढ़ाते हैं। इसे धनिया पंजीरी कहते हैं। इसे सौंठ पंजीरी भी कहते हैं। यह कई तरह से बनाई जाती है।

जब प्रभु श्रीराम ने दिया भक्त हनुमान को वरदान

लंका पर विजय प्राप्त करने के बाद भगवान श्रीराम अयोध्या में अपने परिजनों के साथ बैठे हुए थे। श्रीराम, हनुमानजी द्वारा की गई सहायता को याद कर भावविभोर हो रहे थे। वह बोले, ' हनुमान ने संकट के समय मेरी सहायता की, लेकिन मैंने उन्हें कुछ भी नहीं दिया।' उन्होंने हनुमानजी से कहा, मैंने विभीषण को लंका का राज्य दिया। सुग्रीव को किष्किंधा का राजा और अंगद को युवराज बनाया। आज मैं तुम्हें भी कुछ देना चाहता हूं। इसलिए तुम इच्छित वर मांग सकते हो। हनुमानजी निष्काम भक्ति के साकार रूप थे। उन्होंने श्रीराम से विनम्रता से कहा, प्रभु आप मुझसे बहुत प्रेम करते हैं। मुझ पर आपकी असीम कृपा है। अब और मांगकर क्या करूंगा। लेकिन श्रीराम हनुमानजी को उस दिन कुछ न कुछ देने के लिए आकांक्षी थे। अचानक हनुमानजी ने कहा कि, भगवान आपने सभी को एक-एक पद (चरण) दिए हैं। क्या आप मुझे भी पद दे सकेंगे। श्रीराम कुछ समझ नहीं पाए, फिर भी बोले तुम्हें कौन सा पद चाहिए हनुमान?

हनुमानजी अपने स्थान से उठे और उन्होंने प्रभु राम के चरण पकड़ लिए। हनुमानजी बोले, मैं इन दो पदों की हर क्षण सेवा करता रहूं, यही वरदान चाहिए। श्रीराम की आंखों से अश्रु बहने लगे और उन्होंने श्री हनुमान जी को को गले लगा कर यह वरदान दिया कि जीवन भर उनकी सेवा करते रहें

श्रीराम की आराधना करें शिव के साथ

'भगवान शिव' राम के इष्ट एवं 'राम' शिव के इष्ट हैं। ऐसा संयोग इतिहास में नहीं मिलता कि उपास्य और उपासक में परस्पर इष्ट भाव हो इसी स्थिति को संतजन 'परस्पर देवोभव' का नाम देते हैं। शिव का प्रिय मंत्र 'ऊ नम: शिवाय' एवं 'श्रीराम जय राम जय जय राम' मंत्र का उच्चारण कर शिव को जल चढ़ाने से भगवान शिव अत्यंत प्रसन्न होते हैं। भगवान राम ने स्वयं कहा है : 'शिव द्रोही मम दास कहावा सो नर मोहि सपनेहु नहि पावा।' अर्थात जो शिव का द्रोह कर के मुझे प्राप्त करना चाहता है वह सपने में भी मुझे प्राप्त नहीं कर सकता। इसीलिए शिव आराधना के साथ श्रीरामचरितमानस पाठ का बहुत महत्वपूर्ण होता है।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम 14 वर्ष के वनवास काल के बीच जब जाबालि ऋषि की तपोभूमि मिलने आए तब भगवान गुप्त प्रवास पर नर्मदा तट पर आए। उस समय यह पर्वतों से घिरा था। रास्ते में भगवान शंकर भी उनसे मिलने आतुर थे, लेकिन भगवान और भक्त के बीच वे नहीं आ रहे थे। भगवान राम के पैरों को कंकर न चुभें इसीलिए शंकरजी ने छोटे-छोटे कंकरों को गोलाकार कर दिया। इसलिए कंकर-कंकर में शंकर बोला जाता है। जब प्रभु श्रीराम रेवा तट पर पहुंचे तो गुफा से नर्मदा जल बह रहा था। श्रीराम यहीं रुके और बालू एकत्र कर एक माह तक उस बालू का नर्मदा जल से अभिषेक करने लगे। आखिरी दिन शंकरजी वहां स्वयं विराजित हो गए और भगवान राम-शंकर का मिलन हुआ। शिवप्रिय मैकल सैल सुता सी, सकल सिद्धि सुख संपति राशि, रामचरित मानस की ये पंक्तियां श्रीराम और शिव के चरण पड़ने की साक्षी है।

एन टी पी सी नवीकरणीय NTPC RENEWABLES

ग्रीनको को 1,300 मेगावॉट हरित ऊर्जा की आपूर्ति करेगी एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी

मुंबई । सार्वजनिक क्षेत्र की एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लि. की पूर्ण अनुषंगी एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी आंध्र के काकीनाडा में ग्रीनको द्वारा स्थापित हो रहे हरित अमोनिया संयंत्र को 1,300 मेगावॉट हरित बिजली की आपूर्ति करेगी। एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लि. ने ग्रीनको समूह की कंपनी ग्रीनको जीरो सी प्राइवेट लि. के साथ 1,300 मेगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा की आपूर्ति के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह बिजली आपूर्ति ग्रीनको के काकीनाडा में स्थापित हो रहे अमोनिया कारखाने को की जाएगी। समझौते पर एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लि. के मुख्य महाप्रबंधक राजीव गुप्ता और ग्रीनको समूह के संस्थापक और संयुक्त प्रबंध निदेशक महेश कोली ने दस्तखत किए।

अडानी ग्रुप का मार्केट कैप एक दिन में ही घटा 50 हजार करोड़

-अडानी को लगा सबसे बड़ा झटका, अमीरों की लिस्ट में भी लुढ़के

नई दिल्ली । अडानी ग्रुप का मार्केट कैप एक दिन में ही 50 हजार करोड़ रुपये घट गया है। इतना ही नहीं, गौतम अडानी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में भी नीचे लुढ़क गए हैं। गौतम अडानी को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। बाजार में अडानी ग्रुप के शेयरों में एक बार फिर गिरावट देखने को मिल रही है। बीते मंगलवार को भी अडानी ग्रुप के शेयरों में गिरावट देखने को मिली थी। अडानी के 10 में से छह कंपनियों के शेयर 5 फीसदी की गिरावट के साथ लोअर सर्किट पर लगे हुए थे। ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर 7.1प्रतिशत नीचे बंद हुआ था। इसी की वजह से अडानी ग्रुप का मार्केट कैप 50,165 करोड़ रुपये कम हो गया है। यह एक महीने में सबसे बड़ी गिरावट में से एक है। अमेरिकी रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद अडानी ग्रुप को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। बीते 24 जनवरी को हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आई थी। इसके बाद से अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में लगातार गिरावट देखी गई थी। बीते दिनों ग्रुप के शेयरों में गिरावट का सिलसिला थमा था। अब सोमवार से दोबारा अडानी ग्रुप के स्टॉक्स में गिरावट देखी जा रही है। बीएसई के आंकड़ों के मुताबिक, 25 जनवरी 2023 के बाद से, अडानी समूह का कुल एमकैप 19.2 लाख करोड़ रुपये से घटकर 8.9 लाख करोड़ रुपये हो गया है। गौतम अडानी दुनिया के अरबपतियों की लिस्ट में फिर लुढ़क गए हैं। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद शेयरों में लगातार गिरावट की वजह से अडानी की नेटवर्थ को काफी नुकसान हुआ था। इसके चलते गौतम अडानी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में टॉप 30 से भी बाहर हो गए थे।

आम आदमी पर अगले महीने से पडेगी महंगाई की मार

-देश में एक अप्रैल से महंगे हो जाएंगे ये सामान

नई दिल्ली । अगले महीने अप्रैल से आम आदमी पर महंगाई की मार पड़ने वाली है। कई सामान ऐसे हैं जो एक अप्रैल से महंगे हो जाएंगे। महंगे होने वाले सामानों का सीधा बोझ आम आदमी की जेब पर पड़ेगा। आम आदमी जो पहले ही महंगाई की आग से झुलस रहा है। सामानों के दाम बढ़ने से उसकी मुश्किलें और बढ़ जाएंगी। हालांकि अप्रैल में कुछ चीजों के दाम कम भी होने वाले हैं। यहां हम आपको महंगे और सस्ते होने वाले दोनों सामानों की लिस्ट देने जा रहे हैं। इससे आपको किसी तरह की कई परेशानी नहीं होगी। सरकार 1 अप्रैल 2023 से आयात शुल्क में इजाफा करने की योजना बना रही है। इसकी वजह घरेलू उद्योग को मजबूत करना है। सरकार अगर आयात शुल्क में बढ़ोतरी करती है तो इससे कई सामानों के दाम बढ़ जाएंगे। इसमें प्लास्टिक के सामान, आभूषण, हाई-ग्लॉस पेपर, विमटामिन, निजी विमान, हेलीकॉप्टर और हाई-एंड इलेक्ट्रॉनिक्स की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। बता दें कि वित्त मंत्री, निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2023 में घोषणा की थी कि एक अप्रैल से इलेक्ट्रिक चिमनी, सोना और प्लेटिनम जैसे सामानों की कीमतों में इजाफा हो जाएगा।केंद्र ने एसिटिक एसिड, कटे और पॉलिश किए गए हीरे और सेल फोन के लिए कैमरा लेंस पर आयात टैक्स कम कर दिया है। वहीं केंद्र ने प्रयोगशाला में बने हीरों को बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले बीजों पर मूल सीमा शुल्क में भी कटौती की है। जानकारी के मुताबिक, चिमनियों पर सीमा शुल्क को 7.5 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया गया है।वित्त मंत्री ने घोषणा की थी कि एक अप्रैल से कैमरा लेंस, स्मार्टफोन जैसे सामाना सस्ते हो जाएंगे।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई ।

शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली बढ़ने से आया है। आज कारोबार के दौरान सभी इंडेक्स ऊपर आये। मार्च सीरीज के अंतिम दिन मिडकैप, स्मॉलकैप शेयरों में भी अच्छी खरीदारी रही। इसके अलावा धातु, संपत्ति, और वाहन शेयरों में भी बढ़त रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 346.37 अंक करीब 0.60 फीसदी बढ़कर 57,960.09 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 129.00 अंक तकरीबन 0.76 फीसदी ऊपर आकर 17,080.70 के स्तर पर बंद हुआ.

वहीं गत पिछले कारोबारी सत्र में बाजार हल्की गिरावट पर बंद हुआ था। आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 26 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा मोटर्स, बजाज फाइनैंस, हिंदुस्तान युनिलिवर और एनटीपीसी सेंसेक्स के शीर्ष पांच सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में रहे। एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर करीब 2.72 फीसदी तक बढ़े। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में केवल 4 शेयर ही नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। भारती एयरटेल, रिलायंस, आईसीआईसीआई बैंक और एशियन पेंट्स सेंसेक्स के सबसे ज्यादा नुकसान वाले शेयर रहे। सबसे अधिक नुकसान भारती एयरटेल के शेयरों को हुआ। इसके शेयर करीब 0.63 फीसदी तक नीचे आये। इससे पहले आज सुबह बाजार बुधवार तेजी के साथ खुला। आज सुबह 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 200 अंक और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 अंक से अधिक की बढ़त के साथ करोबार कर रहा था। सेंसेक्स 200 अंक से अधिक बढ़कर 57,823 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी 17,000-अंक पर कारोबर कर रहा है। वहीं एसएंडपी बीएसई निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 सूचकांकों में 0.1 फीसदी तक की बढ़त के साथ खुला।

रुपया गिरावट पर बंद

मुम्बई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया गिरावट पर बंद हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 15 पैसे की गिरावट के साथ ही 82.31 रुपये (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। डॉलर के मजबूत होने और कच्चे तेल की कीमतों में बढ़त से रुपये में यह गिरावट आई। घरेलू शेयर बाजार में मजबूती से हालांकि रुपये में बड़ी गिरावट पर अंकुश लग गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.26 प्रति डॉलर पर काफी कमजोर खुला। कारोबार के अंत में यह अपने पिछले बंद भाव की तुलना में 15 पैसे की गिरावट के साथ 82.31 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान रुपया 82.23 के उच्चस्तर और 82.37 के निचले स्तर पर पहुंचा। वहीं गत कारोबारी सत्र में रुपया 82.16 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी बढ़कर 102.13 हो गया।

1 अप्रैल से बढने वाली है दवाओं की कीमत

-900 दवाओं के 12 प्रतिशत तक बढ़ेंगे दाम

नई दिल्ली । आगामी एक अप्रैल से पेनकिलर्स से लेकर एंटीबायोटिक समेत कई जरूरी दवाओं की कीमत बढ़ने वाली है। सरकार ने दवा कंपनियों को एनुअल होलसेल प्राइज इंडेक्स में बदलाव के अनुरूप दवा की कीमतें बढ़ाने की अनुमति दे दी है। जिन दवाइयों की कीमतें बढ़ेंगी, उनमें पैरासिटामोल भी शामिल है, जिसका सामान्य बुखार और दर्द में इस्तेमाल होता है। एक रिपोर्ट के अनुसार पेनकिलर्स, एंटी-इन्फेक्टिव्स, एंटीबायोटिक्स और दिल की दवाओं सहित लगभग 900 दवाओं की कीमत 12 प्रतिशत से ज्यादा तक बढ़ सकती है। मालूम हो कि यह लगातार दूसरा साल है जब अनुसूचित दवाओं की कीमतों में वृद्धि गैर-अनुसूचित दवाओं की तुलना में अधिक होगी। अनुसूचित दवाएं आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची का हिस्सा हैं।गौरतलब है कि दवा मूल्य नियामक नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी को हर साल 1 अप्रैल या उससे पहले पिछले कैलेंडर वर्ष के एनुअल होलसेल प्राइज इंडेक्स के मुताबिक अनुसूचित दवाओं की कीमत को संशोधित या बढ़ाने की अनुमति है। कीमत को संशोधित करने और बढ़ाने को लेकर अनुसूचित ड्रग प्राइस कंट्रोल ऑर्डर 2013 के क्लॉज 16 में नियम बना हुआ है। इसी नियम के तहत एनपीपीए हर साल दवाओं की कीमतों में संशोधन करता है और नई कीमतें 1 अप्रैल से लागू की जाती है। बता दें कि जरूरी दवाओं की कीमतों में 12 फीसदी की बढ़ोतरी तय की गई है। पेन किलर, एंटी इंफेक्शन और दिल की बीमारियों की दवाइयों से लेकर एंटीबायोटिक्स दवाओं की कीमतें उनमें शामिल हैं जिनकी कीमतें 1 अप्रैल से बढ़ने जा रही है।

अगले कुछ वर्षों में करीब तीन हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगा आईटीसी लिमिटेड : संजीव पुरी

एफएमसीजी और होटल सेक्टर में निवेश की योजना

मुंबई ।

आईटीसी लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर संजीव पुरी के मुताबिक, आने वाले समय में कंपनी के निवेश में तेजी लाई जाएगी। कोरोना के दौरान कंपनी के निवेश में कमी आई थी। अब अगले कुछ वर्षों के लिए करीब तीन हजार करोड़ रुपये का फंड रखा जाएगा। इसका उपयोग मैन्युफैक्चिरिंग कैपेसिटी को बढ़ाने और ग्रोथ को रफ्तार देने में होगा। उनके मुताबिक, आने वाले वित्तीय वर्ष से फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) उद्योग रूरल डिमांड में तेजी के कारण बिक्री के वॉल्यूम में उछाल आएगा। इसमें पहले से ही रिकवरी के शुरुआती संकेत दिखने लगे हैं। पुरी के मुताबिक, महंगाई में कमी और प्रोडक्ट की कीमतों में सुधार के साथ पुनरुद्धार में तेजी आएगी।पुरी ने बताया कि पूरी दुनिया में जो कुछ हो रहा है, अगर उसकी तुलना में देखने पर देश में मोदी सरकार ने काफी अच्छा काम किया है। मोदी सरकार ने महंगाई को नियंत्रित करने और मैक्रोज को प्रबंधित करने में उल्लेखनीय काम किया है। देश के सबसे बड़े समूहों में से आईटीसी के चेयरमैन पुरी के मुताबिक, होटल व्यवसाय के लिए अलटरनेटिव स्ट्रक्चर बनाने का प्लान है। इस योजना पर आने वाले दिनों में काम शुरू कर दिया जाएगा। इसमें होटल व्यवसाय को डीमर्ज भी किया जाएगा। कोरोना की वजह से इस योजना में काफी देरी हो गई है। उनके मुताबिक, एफएमसीजी, पेपर और पेपरबोर्ड बिजनस के लिए विस्तार किया जाएगा। इसके लिए इन बिजनस में और निवेश करना जारी रहेगा। इसके लिए विशेष रूप से टिकाऊ पैकेजिंग के साथ बिजनेस को मजबूत किया जाएगा।

आईटीसी की आने वाले समय में कई निवेश योजनाएं हैं। इसमें ओडिशा में एक इंटीग्रेटेड कंज्यूमर गुड्स फैक्टरी, कर्नाटक में निर्यात के लिए एक डेरिवेटिव प्लांट, पश्चिम बंगाल में एक पर्सनल केयर प्रोडक्ट फीचर और मध्य प्रदेश में एक फाइबर उत्पाद इकाई आदि शामिल हैं। पुरी के मुताबिक, कोविड-19 में पर्यटन पर बुरा असर पड़ा था। अब फिर से पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है। इसमें घरेलू पर्यटन में तेजी आई है। घरेलू पर्यटन की मांग मजबूत हुई है। सभी सेक्टरों में तेजी से इजाफा देखा जा रहा है।

सेबी ने डीमैट खाताधारकों और म्यूचुअल फंड निवेशकों को दी राहत

मुंबई ।

शेयर बाजार में ट्रेड करने वालों और म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों को बड़ी राहत मिली है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने डीमैट खाताधारकों और म्यूचुअल फंड निवेशकों को एक काम करने के लिए सात महीने का और समय दे दिया। सेबी ने डीमैट खाताधारकों और म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए नॉमिनी' का नाम देने या इस विकल्प से हटने के लिए समयसीमा सितंबर अंत तक बढ़ा दी है। पहले यह समय सीमा 31 मार्च, 2023 थी। आप यदि नॉमिनी का अर्थ नहीं समझ रहे हैं, तब इस जान लीजिए। नॉमिनी या नामित व्यक्ति से आशय, उस व्यक्ति से है, जिन्हें उस खाते में जमा रकम या निवेश की राशि मिलेगी। जिस व्यक्ति के नाम बैंक खाते, निवेश या बीमा में होता है, उसका अचानक निधन हो जाए, तब नॉमिनी को वह राशि दे दी जाती है। सेबी चाहता है कि सभी डीमैट अकाउंट होल्डर और म्यूचुअल फंड इनवेस्टर अपना नॉमिनी घोषित कर दें। ताकि उनके नहीं रहने पर उनकी निवेशित राशि किसे दी जाए, इसका फैसला हो सके। सेबी ने सरकुलर में कहा, कारोबार के साथ-साथ डीमैट खातों के मूल्यांकन....और विभिन्न पक्षों से प्राप्त प्रतिवेदनों के आधार पर यह निर्णय किया गया है कि नॉमिनी प्रावधान अब 31 मार्च, 2023 के बजाय 30 सितंबर, 2023 से लागू होगा।'' एक अलग परिपत्र में नियामक ने मौजूदा म्यूचुअल फंड निवेशकों को लाभार्थी के रूप में 'नॉमिनी' का नाम देने या इस विकल्प से हटने

के लिये 30 सितंबर तक का समय दिया है। सेबी ने जून, 2022 में म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिये 'नॉमिनी' का ब्यौरा देना या इससे हटने के बारे में घोषणा एक एक अगस्त, 2022 तक करने को कहा था। बाद में समयसीमा एक अक्टूबर, 2022 तक बढ़ा दी गई। सभी मौजूदा म्यूचुअल फंड फोलियो के लिये नई समयसीमा 31 मार्च, 2023 तक की गई थी।

एक्सप्रेसवे पर 1 अप्रैल से होगी टोल में 18 प्रतिशत की वृद्धि

-एमएसआरडीसी के वरिष्ठ अधिकारी ने दी जानकारी

मुंबई । मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर 1 अप्रैल से टोल में 18 प्रतिशत की वृद्धि होगी। एमएसआरडीसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि टोल में सालाना 6 प्रतिशत की वृद्धि होती है, जो हर तीन साल बाद कुल 18 प्रतिशत हो जाता है, जैसा कि 9 अगस्त 2004 की एक सरकारी अधिसूचना में बताया गया है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि इस वृद्धि से कार तथा जीप जैसे चौपहिया वाहनों के लिए टोल 270 रुपए के बढ़कर 320 रुपए और मिनी बस तथा टेम्पो जैसे वाहनों के लिए 420 रुपए से बढ़कर 495 रुपए हो जाएगा। बड़ी श्रेणी के टू-एक्सल ट्रक के लिए टोल 585 रुपए से बढ़कर 685 रुपए, जबकि बसों के लिए यह 797 रुपए से बढ़कर 940 रुपए हो जाएगा।वहीं, थ्री-एक्सल ट्रक के 1,380 रुपए से बढ़कर 1,630 रुपए, मल्टी-एक्सल ट्रक तथा मशीनरी-वाहनों के लिए टोल 1,835 रुपए के बढ़कर 2,165 रुपए हो जाएगा। करीब 95 किलोमीटर लंबा व छह लेन वाला मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे 2002 में पूरी तरह से वाहनों के लिए खोल दिया गया था। रोजाना करीब 1.5 लाख लोग एक्सप्रेसवे का इस्तेमाल करते हैं।अधिकारियों ने बताया कि टोल 2030 तक समान रहेगा क्योंकि तीन साल बाद 2026 में इसमें कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

सहारा निवेशकों के लिए खुशखबरी, फंसा पैसा अब जल्द मिलने की उम्मीद

सुप्रीम कोर्ट ने 5000 करोड़ रुपये जारी करने का आदेश दिया

नई दिल्ली ।

सहारा निवेशकों के लिए बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत की खबर आई। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद उनका फंसा पैसा अब जल्द मिल सकेगा। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने सेबी-सहारा विवाद के 24000 करोड़ के फंड पर केंद्र की याचिका को मंजूरी दे दी। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी कि सहारा-सेबी के 24 हजार करोड़ रुपये के फंड में से 5000 करोड़ रुपये का फंड आवंटित किया जाए,ताकि सहारा के निराश निवेशकों को उनका फंड वापस कर सके। सहारा की स्कीम में पैसा डालने वाले लाखों लोगों को अब तक अपना पैसा नहीं मिल सका है। इसके बाद निवेशकों के लिए बुधवार को अच्छी खबर आई है। सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी मिलने के बाद इन निवेशकों की उम्मीद जग गई है। उम्मीद है कि सहारा के निवेशकों को जल्द ही उनका पैसा वापस मिलेगा। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र की उस याचिका को मंजूरी दे दी है, जिसमें केंद्र ने सहारा-सेबी फंड के 24000 करोड़ रुपये में से 5000 करोड़ का आवंटन तुरंत करने की अपील की है। बता दें कि निवेशकों से धोखाधड़ी के एक दूसरे मामले में साल 2012 में बने सहारा-सेबी फंड में लगभग 24 हजार करोड़ रुपए जमा हैं। सहारा सेबी विवाद के कारण खाते में जमा 24 हजार करोड़ रुपये का फंड फंसा हुआ है। दूसरी ओर लाखों निवेशक परेशान है। निवेशकों की परेशानी को देखकर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी, जिसमें 5 हजार रुपये तुरंत जारी करने की अपील की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को मंजूरी देकर 5 हजार करोड़ रुपये अलॉट करने का आदेश दिया है। इस फैसले से सहारा के 1.1 करोड़ निवेशकों को राहत मिलेगी। मंगलवार को सेबी ने सहारा समूह की रियल एस्टेट कंपनी से 6.57 करोड़ रुपए की वसूली कर ली। कंपनी के मुखिया सुब्रत रॉय सहारा पर सख्ती दिखाकर सेबी ने ये रकम वसूली है।

गौरतलब है कि सहारा का ये विवाद साल 2009 का है। सहारा की दो कंपनियां सहारा हाउसिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड और सहारा इंडिया रियल एस्टेट कॉर्पोरेशन से जुड़े विवाद की शुरुआत उस वक्त हुई जब कंपनी ने अपना आईपीओ लाने की पेशकश की। आईपीओ के आते ही सहारा की पोल खुलने लगी। सहारा ने गलत तरीके से निवेशकों से 24000 करोड़ की रकम जुटाई थी, जो सेबी के सामने आ गई। सेबी ने सहारा में कई अनियमितता पाई, जिसकी जांच जब हुई, तब बड़ा स्कैम सामने आया। सेबी ने सहारा को निवेशकों को उनका पैसा ब्याज सहित लौटाने का आदेश दिया।

टेक्नो स्पार्क 10 5जी भारत में लॉन्च

-50एमपी का है कैमरा, सस्ता है 5जी फोन

नई दिल्ली ।

भारत में टेक्नो स्पार्क 10 5जी को लॉन्च किया गया। इस फोन में 50 एमपी प्राइमरी कैमरा और 5,000 एमएएच की बड़ी बैटरी जैसे फीचर्स दिए गए हैं। ये कंपनी का देश में नया बजट स्मार्टफोन है। टेक्नो स्पार्क 10 5जी के 4जीबी + 64जीबी वेरिएंट की कीमत 12,999 रुपये रखी गई है। ग्राहक इसे 7 अप्रैल से सभी पार्टनर रिटेल स्टोर्स से खरीद पाएंगे। इसे मेटा ब्लैक, मेटा ब्लू और मेटा वाइट कलर ऑप्शन में पेश किया गया है। टेक्नो स्पार्क 10 5जी के स्पेसिफिकेशन्स की बात करें तो इसमें 90एचझेड रिफ्रेश रेट और 120एचझेड टच सैंपलिंग रेट के साथ 6.6-इंच एचडी+ (720 एक्स 1612 पिक्सल) डिस्प्ले दिया गया है। इस नए फोन में 950एमएचझेड एआरएम माली-जी57 जीपीयू के साथ ऑक्टा-कोर 7एनएम मीडियाटेक डायमेंसिटी 6020 प्रोसेसर मौजूद है। इसका प्राइमरी कैमरा 50 एमपी का है। साथ ही इसमें एक एआई सेंसर भी मौजूद है। सेल्फी के लिए फोन के फ्रंट में 8एमपी कैमरा मौजूद है। टेक्नो स्पार्क 10 5जी की बैटरी 5,000एमएएच की है और यहां 18डब्ल्यू फास्ट चार्ज सपोर्ट दिया गया है। इस फोन को 0 से 50 प्रतिशत तक महज 50 मिनट में चार्ज किया जा सकता है। फिंगरप्रिंट सेंसर यहां साइड माउंटेड है। वर्चुअल रैम सपोर्ट होने की वजह से इसकी रैम को 8जीबी तक बढ़ाया जा सकता है। साथ ही स्टोरेज को कार्ड की मदद से 1टीबी तक बढ़ाया जा सकता है। फोटोग्राफी के लिए फोन के रियर में डुअल कैमरा सेटअप दिया गया है।

एप्पल ने आईफोन के लिए जारी किया आईओएस 16.4 अपडेट

-कंपनी ने कर दिया बड़ा बदलाव

नई दिल्ली ।

बहुराष्ट्रीय कंपनी एप्पल ने आईफोन के लिए आईओएस 16.4 अपडेट जारी किया है। इस अपडेट में कई बदलाव भी किए गए हैं। ये अपडेट आईफोन 14, आई फोन 14 प्लस, आईफोन 14 प्रो और 14 प्रो मैक्स में क्रैश डिटेकेशन को और ज्यादा ऑप्टिमाइज करता है। इसी के साथ इस अपडेट के बाद यूजर एक्सपीरिएंस काफी एन्हांस होगा।इससे पहले यदि आप आईओएस 16.3.1 यूज कर रहे थे, तो आप इसे आसानी से अपडेट कर सकते हैं। आईओएस 16.4 अपडेट का साइज लगभग 1.8जीबी का है।

लेकिन आप यदि आईओएस 16 के पुराने वर्जन पर थे, तो ये अपडेट 5जीबी जितना बड़ा हो सकता है। इस नए अपडेट को डाउनलोड करने के लिए यूजर वाई फाई नेटवर्क का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसी के साथ यदि आपके पास वाईफाई नेटवर्क की सुविधा नहीं है तो इसे 5 जी नेटवर्क पर भी आसानी से डाउनलोड और इंस्टॉल कर सकते हैं।एप्पल ने ये अपडेट आईओएस 16 को स्टेबल करने के लिए जारी किया है। इस अपडेट में आपको 21 नए इमोजी मिलेंगी। इनको कीबोर्ड के जरिए आसानी से एक्सेस किया जा सकता है। वहीं आई फोन अब आई क्लाउड पर शेयर फोटो लाइब्रेरी पर डुप्लिकेट फोटो और वीडियो का भी पता लगा सकता है। इसके अतिरिक्त मैप्स के लिए अब वॉइस ओवर सपोर्ट भी मिलेगा। वहीं एप्पल यूजर्स अब वीडियो के दौरान फ्लैश या लाइट के चलने पर उसे डिम कर सकेंगे। इसी के साथ नए अपडेट के बाद आप होम स्क्रीन पर आसानी से वेब एप नोटिफिकेशन को जोड़ सकेंगे। इस अपडेट से वॉइस आइसोलेशन को शुरू कर आप कॉल की क्वालिटी को भी काफी सही कर सकेंगे।

केंद्र का लॉजिस्टिक लागत को 9 प्रतिशत करने का लक्ष्य

-सस्ता हो जाएगा अब देश में माल भाड़ा

नई दिल्ली ।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, सरकार ने देश में लॉजिस्टिक लागत को साल 2024 तक 9 प्रतिशत लाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि 'देश के उद्योग और कारोबार के समक्ष लॉजिस्टिक की ऊंची लागत बड़ी चुनौती है। अभी यह 16 प्रतिशत है। हमने इसे 2024 के अंत तक नौ प्रतिशत पर लाने का लक्ष्य रखा है।' नितिन गडकरी ने कहा है कि नई नीति लाने का मकसद है कि जीडीपी के मौजूदा 16 प्रतिशत से घटाकर 8 प्रतिशत के नीचे तक लाना और रोजगार पैदा करना। माल भाड़ा कम होगा तो उसका सीधा असर सभी वस्तुओं की कीमतों पर भी पड़ेगा और कीमतें कम होंगी। मोदी सरकार देश में लॉजिस्टिक लागत को कम कर चीन, अमेरिका और यूरोपियों देशों की बराबरी करने के लिए यह नई नीति लाई गई है। इसके लिए मोदी सरकार जलमार्ग, रेलवे, सड़क के बाद अब हवाई मार्ग को भी लोकप्रिय साधन बनाने के दिशा में काम कर रही है। मोदी सरकार अगले पांच सालों में देश के कई शहरों में हवाई सेवा और एयरपोर्ट विकसित कर रही है। माल ढुलाई के लिए अब एयर कार्गो की लागत को भी कम करने की कवायद चल रही है। देश में अभी लॉजिस्टिक लागत सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी के 16 फीसदी है। चीन में यह 10 फीसदी और अमेरिका और यूरोप में 8 फीसदी है। आने वाले दिनों में पीएम मोदी के इस ड्रीम प्रोजेक्ट में राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्रालय के साथ-साथ नागरिक उड्यन मंत्रालय और शहरी विकास मंत्रालय की भूमिका अहम होने वाली है।गौरतलब है कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय पिछले कई सालों से इस पर काम कर थी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कई मौकों पर कहते रहे हैं कि सरकार माल परिवहन के सभी माध्यमों के लिए एकल लॉजिस्टिक कानून काफी कारगर साबित होगा।

रिबाकिना मियामी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची

मियामी (अमेरिका)। कजाकिस्तान की एलेना रिबाकिना मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। रिबाकिना ने क्वार्टर फाइनल में इटली की मार्टिना ट्रेविसन को 6-3, 6-0 से हराया। इस जीत के साथ ही रिबाकिना ने अपना 12 वां मुकाबला जीता। इस खिलाड़ी ने इससे पहले इंडियन वेल्स में अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीता था। रिबाकिना ने जीत के बाद कहा, निश्चित रूप से मुझ पर जीत के लिए कोई दबाव नहीं है। मुझे पता है कि यह बहुत कठिन क्योंकि और कई खिलाड़ियों ने ऐसा नहीं किया है। साथ ही मैं दूसरे मैच में अंक से नीचे थी। मुझे बस मैच दर मैच ध्यान रखने की जरूरत है। रिबाकिना का इस जीत के बाद सत्र में 20-4 का रिकॉर्ड हो गया है और उन्होंने एक सत्र में सबसे अधिक मैच जीतने के मामले में सबालेंका के रिकार्ड की बराबरी कर ली है। रिबाकिना अब सेमीफाइनल में सामना गरुवार को जेसिका पेगुला या अनस्तासिया पोटापोवा से होने वाले मैच की विजेता से होगा।

आईपीएल के पहले मुकाबले में आमने-सामने होंगी सुपर किंग्स और टाइटंस

अहमदाबाद ।

आईपीएल का पहला मुकाबला 31 मार्च को कप्तान हार्दिक पंड्या की गुजरात टाइटंस और महेन्द्र सिंह धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच होगा। यह मुकाबला सबसे बड़े नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में शाम 7.30 बजे से खेला जाएगा। इस मुकाबले से पहले एक उद्घाटन समारोह भी होगा। इस मैच से धोनी एक बार फिर मैदान पर नजर आयेंगे। सीएसके की टीम धोनी की कप्तानी में पांचवी बार खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी। वहीं हार्दिक की गुजरात टाइटंस अपने खिताब को बरकरार रखने उतरेगी। गुजरात टाइटंस के कोच आशीष नेहरा जबकि चेन्नई सुपर के स्टीफेन फ्लेमिंग हैं। आईपीएल 2022 में गुजरात की ओर से सबसे ज्यादा रन हार्दिक पंड्या ने 487 रन बनाये थे जबकि सबसे ज्यादा विकेट मोहम्मद शमी ने 20 विकेट लिए थे। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से सबसे ज्यादा रन रुतुराज गायकवाड़ ने 368 रन और सबसे ज्यादा विकेटः ड्वेन ब्रावो ने 16 विकेट लिए थे। आईपीएल में इस बार गुजरात के सबसे महंगे खिलाड़ी हैं तेज गेंदबाज शिवम मावी उन्हें 6 करोड़ रुपये में खरीदा गया है जबकि चेन्नई सुपर किंग्स ने बेन स्टोक्स 16.25 करोड़ में खरीदा है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

गुजरात टाइटंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), राशिद खान, राहुल तेवतिया, शुभमन गिल, मोहम्मद शमी, शिवम मावी, जोशुआ लिटिल, यश दयाल, डेविड मिलर, आर साई किशोर, अभिनव सदरंगानी, अल्जारी जोसेफ, मैथ्यू वेड, केन विलियमसन, रिद्धिमान साहा, जयंत यादव, विजय शंकर, केएस भरत, ओडियन स्मिथ, मोहित शर्मा, नूर अहमद, उर्विल पटेल प्रदीप सांगवान, दर्शन नालकंडे, साईं सुदर्शन।

चेन्नई सुपर किंग्सः एमएस धोनी (कप्तान), डेवॉन कॉनवे, ऋतुराज गायकवाड़, अंबाती रायडू, सुभ्रांशु सेनापति, मोईन अली, शिवम दुबे, राजवर्धन हैंगरगेकर, ड्वेन प्रिटोरियस, मिचेल सेंटनर, रवींद्र जडेजा, तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी, मतीशा पथिराना, सिमरजीत सिंह, दीपक चाहर , प्रशांत सोलंकी, महेश ठीकशाना, अजिंक्य रहाणे, बेन स्टोक्स, शेख रशीद, निशांत सिंधु, सिसंडा मगाला, अजय मंडल, भगत वर्मा।

आईपीएल के उद्घाटन समारोह में कार्यक्रम पेश करेंगे बॉलीवुड सितारे

मुम्बई । 31 मार्च से शुरु हो रहे आईपीएल के 16 वें सत्र का भव्य उद्घाटन होगा। इस समारोह में बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ के अलावा रश्मिका मंदाना और तमन्नाह भाटिया भी कार्यक्रम पेश करेंगी। पांच साल के बाद आईपीएल में इस बार रंगारंग कार्यक्रम होने जा रहा है जिसके कारण लोगों में भारी उत्साह है। पिछले कुछ साल कोरोना महामारी को देखते हुए उद्घाटन समारोह नहीं हुए थे। अब इस नये सत्र में कोरोना का खतरा समाप्त होने के बाद आईपीएल पुराने प्रारुप में ही खेला जाएगा। इसकी शुरुआत अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मौजूदा चैंपियन गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच मुकाबले से होगी। गुजरात और चेन्नई के बीच मुकाबले की शुरुआत शाम साढ़े 7 बडे से होगी। इस मुकाबले से पहले उद्घाटन समारोह रखा गया है। यह करीब 45 मिनट चलेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार कैटरीना, मंदाना और तमन्नाह के अलावा टाइगर श्रॉफ और अरिजीत सिंह भी कार्यक्रम पेश कर सकते है। दर्शक इस समारोह को टीवी पर लाइव देख सकते हैं। गौरतलब है कि साल 2018 सत्र के बाद से ही आईपीएल में उदघाटन समारोह का आयोजन नहीं हुआ है। साल 2018 में परिणीति चोपड़ा, वरुण धवन, जैकलीन फर्नांडीज और ऋतिक रोशन जैसे भारतीय सितारों ने कार्यक्रम पेश किया था। वहीं साल 2019 में पुलवामा में हुए आतंकी हमले के कारण उदघाटन समारोह को रद्द कर दिया गया था।

(सेंटियागो डेल एस्टेरो) मैसी ने हैट्रिक से किया 100वां अंतर्राष्ट्रीय गोल

अर्जेंटीना ने कुराकाओ को हराया

सेंटियागो डेल एस्टेरो ।

अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मैसी ने अपना 100 वां अंतरराष्ट्रीय गोल दागने के साथ ही एक और उपलब्धि अपने नाम कर ली है। मेसी ने अपना 100 वें अंतरराष्ट्रीय गोल कुराकाओ के खिलाफ एक दोस्ताना मुकाबले में किया। इस मैच में अर्जेंटीना ने 7-0 से कुराकाओ पर जीत हासिल की। मैसी ने पहले हाफ में हैट्रिक लगायी और इसी के साथ ही पहले 35 मिनट में अर्जेंटीना ने 5-0 की बढ़त हासिल कर ली। अर्जेंटीना ने दूसरे हाफ में दो और गोल दाग दिये। एक रिपोर्ट के अनुसार मैसी के 174 मैचों में 102 गोल हो गये हैं। अर्जेंटीना ने इस मैच में अच्छी शुरूआत की और मैसी ने पहला गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। वहीं निको गोंजालेज ने हैडर से एक गोल दागकर बढ़त को 2-0 पहुंचा दिया। मैसी ने इसके बाद एक और गोल दाग दिया। यह मैदानी गोल मैसी ने तेजी से दौड़कर किया। हाफ टाइम के बाद । एंजेल डी मारिया ने 78वें मिनट में पेनल्टी पर छठा गोल दागा जबकि पाउलो डीबाला ने खेल समय होने से कुछ मिनट पहले ही गोल कर स्कोर 7-0 कर दिया।

वेस्टइंडीज ने दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हराकर सीरीज जीती

वांडरर्स ।

रोमारियो शेफर्ड और अल्जारी जोसेफ के अच्छे प्रदर्शन से वेस्टइंडीज ने यहां खेले गये तीसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हरा दिया। इसी के साथ ही तीन मैचों की टी20 सीरीज वेस्टइंडीज ने 2-1 से जीत ली है। शेफर्ड 44 रन और अल्जारी ने पांच विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

इस मैच में टॉस जीतकर मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 220 रन बनाए और दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 221 रनों का लक्ष्य दिया। 221 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम छह विकेट के नुकसान पर 213 रन ही बना पायी।

वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम का पहला विकेट 39 रन पर गिरा। विकेटकीपर बल्लेबाज जे चार्ल्स बिना खाता खोले वापस लौट गए। पूरन शेफर्ड ने 41 रन की पारी खेले टीम को उबारा। इसके रोमारियो शेफर्ड ने 22 गेंद में नाबाद 44 रन बनाकर वेस्टइंडीज को 161 रन से 8 विकेट पर 220 रन तक पहुंचा दिया। शेफर्ड ने जोसफ के साथ 9वें विकेट के लिए 26 गेंद पर नाबाद 59 रन बनाये।

वहीं इसके बाद लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेजबान अफ्रीकी टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 31 के स्कोर पर क्विंटन डी कॉक 21 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। इसके बाद रीजा हेंड्रिक्स ने 83 रन, और राइली रूसो ने 42 रन रन बनाकर पारी को संभाला पर इनके आउट होने के बाद टीम ढ़ह गयी। अल्जारी ने हेंड्रिक्स को आउट कर यह साझेदारी तोड़ी। इसके बाद डेविड मिलर 11 के आउट होने से मेजबान टीम की उम्मीदों पर पानी फिर गया। हेनरी क्लासेन भी 6 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। कप्तान एडम मार्कम अंत तक नाबाद रहे, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके।

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल से ठीक पहले धोनी की फिटनेस पर उठे सवाल, लंगड़ाते दिखे

चेन्नई ।

आईपीएल की शुरुआत शुक्रवार से होने वाली है। इससे ठीक पहले चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के चोटिल होने की आशंका है। धोनी को चेपक स्टेडियम में अभ्यास सत्र के दौरान लंगड़ाते हुए देखा गया। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार धोनी के बाएं पैर में चोट हो सकती है। टीम को शुक्रवार को पहले ही मुकाबले में गुजरात टाइटंस से खेलना है। ऐसे में धोनी का चोटिल होना टीम के लिए एक बड़ा झटका रहेगा। माना जा रहा है कि धोनी अभ्यास सत्र के लिए अधिक उत्साहित नहीं थे। चलते समय वह बाएं पैर पर ध्यान देने के साथ ही संभालकर चल रहे थे जिससे यह लग रहा है कि इसमें चोट है। उन्होंने पैर पर नीकैप भी लगायी थी। जब वह चल रहे थे तो पता चल रहा था कि वह थोड़ा लंगड़ा रहे हैं। हालांकि इसके बाद भी उन्होंने नेट अभ्यास में भाग लिया। टीम के अभ्यास सत्र को देखने भारी तादाद में लोग भी स्टेडियम पहुंचे थे। इस दौरान धोनी संभलकर दौड़ते नजर आए और कुछ असहज भी दिखे। अगर वह वास्तव में चोटिल हैं तो यह सीएसके के लिए बड़ा झटका होगा। धोनी टीम के सबसे अहम खिलाड़ी हैं। उनका मैदान पर होना ही टीम के लिए काफी होता है। अगर धोनी पहले मैच में नहीं खेल पाते हैं तो इंग्लैंड के बेन स्टोक्स या रुतुराज गायकवाड़ में से किसी को कप्तान की जिम्मेदारी मिल सकती है।

धोनी अभी इतने फिट कि दो तीन सत्र खेल लें : रोहित

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के अनुसार चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी कर रहे महेन्द्र सिंह धोनी अभी काफी फिट हैं और अगले दो से तीन सत्र खेल सकते हैं। हाल ही में सुरेश रैना ने भी कहा था कि धोनी अभी अगला सत्र भी खेलेंगे। वहीं माना जा रहा है कि 41की उम्र के धोनी का यह आईपीएल का अंतिम सत्र रहेगा और वह आईपीएल 2023 खेलकर रिटायर हो जाएंगे। अब मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित के बयान से धोनी के प्रशंसकों को जरुर खुशी होगी। आईपीएल-16 का सत्र शुरू होने से ठीक पहले रोहित शर्मा ने कहा, धोनी अभी इतना फिट हैं कि वह 2-3 सीजन खेल सकते हैं। मुझे नहीं लगता कि यह उनका अंतिम सत्र होगा। धोनी की जो तस्वीरें सामने आ रही हैं उससे भी कुछ ऐसा ही लगता है। प्रशंसकों के बीच माही के नाम से लोकप्रिय धोनी के बाइसेप्स बड़े दिख रहे थे और वह अपने अंदाज में पावर शॉट खेल रहे थे। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन तक ने धोनी की तारीफ की है। दूसरी ओर धोनी हमेशा की तरह चुप्पी साधे बैठे हैं। वह जानते हैं कि उन्हें कब संन्यास लेना है या कब तक खेलना है। 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाले धोनी तीन साल बाद भी फिट हैं और मैदान के बीच उनकी दौड़ में कोई कमी नहीं दिख रही है।

आईपीएल में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वालों में रोहित भी शामिल

मुम्बई ।

आईपीएल टीम मुम्बई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा इस लीग के सबसे सफल कप्तान हैं और उनकी टीम ने पांच बार खिबाब जीता है। इसके अलावा उन्होंने इस लीग में काफी रन भी बनाये हैं। इसके बाद भी रोहित के नाम नाम एक ऐसा रिकॉर्ड है जिसे वह याद नहीं रखना चाहेंगे। रोहित और मनदीप सिंह आईपीएल में सबसे ज्यादा बार पहली ही गेंद पर शून्य पर आउट (गोल्डन डक) हुए हैं। इस सूची में हरभजन सिंह और पार्थिव पटेल, पीयूष चावला जैसे खिलाड़ी भी हैं।

रोहित शर्मा

इस सूची में मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा शामिल हैं। रोहित 2008 से 2022 तक मनदीप सिंह के साथ सयुंक्त रूप से 14 बार शून्य पर आउट हुए हैं। रोहित ने आईपीएल में डेक्कन चार्जर्स के लिए भी खेला है। अभी वह मुंबई इंडियंस के कप्तान हैं। अपनी कप्तानी में रोहित शर्मा ने टीम को 5 बार आईपीएल चैंपियन बनाया है। रोहित ने अभी तक 227 आईपीएल में मैच खेले हैं।

मनदीप सिंह

आईपीएल में सबसे ज्यादा बार 14 बार शून्य पर आउट होने वाले खिलाड़ी मनदीप सिंह भी हैं। मनदीप ने आईपीएल में कुल 108 मैच खेले हैं। वह आईपीएल में 2010 से 2022 तक शून्य पर आउट हुए। मनदीप ने दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर बैंगलोर के लिए खेला है। 2022 में वह दिल्ली कैपिटल्स टीम का हिस्सा थे।

हरभजन सिंह

हरभजन सिंह ने आईपीएल में 2008 से 2021 तक चेन्नई सुपर किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और मुंबई इंडियंस के लिए खेले। वह 13 बार आईपीएल में शून्य पर आउट हुए हैं। उन्होंने 163 आईपीएल मैच खेले हैं। वह मुंबई और चेन्नई की टीम का हिस्सा भी रह चुके हैं।

पीयूष चावला

वहीं पीयूष चावला का नाम भी इस सूची में आता है। चावला ने 2008 से 2021 तक आईपीएल में 165 मैच खेले हैं। इस दौरान वह 13 बार शून्य पर आउट हुए हैं। पीयूष चावला चेन्नई सुपर किंग्स, किंग्स इलेवन पंजाब, कोलकाता नाइट राइडर्स और मुंबई इंडियंस के लिए खेल चुके हैं।

पार्थिव पटेल

शून्य पर आउट होने वाली सूची में पार्थिव पटेल भी शामिल हैं। वह आईपीएल में 13 बार शून्य पर आउट आउट हुए हैं।पार्थिव पटेल ने 2008 से 2019 तक आईपीएल खेला। इस दौरान वह चेन्नई सुपर किंग्स, डेक्कन चार्जर्स, कोच्चि टस्कर्स केरल, मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेले।

पृथ्वी पर रहेंगी चयनकर्ताओं की नजरें : गांगुली

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के अनुसार आक्रामक बल्लेबाज पृथ्वी शॉ के आईपीएल में प्रदर्शन पर कप्तान रोहित शर्मा और चयनकर्ताओं की नजरें रहेंगी। पृथ्वी आईपीएल के इस 16 वें सत्र में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेलेंगे। गांगुली के अनुसार पृथ्वी में काफी क्षमताएं हैं। इसके साथ ही साल 2023 के अंत में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए भी उनपर विशेष ध्यान रहेगा। वहीं इससे पहले कहा जा रहा था कि सरफराज खान, शिखर धवन पर नजरें रहेंगी। गांगुली के अनुसार पृथ्वी ऐसे खिलाड़ी होंगे, जो टीम इंडिया के लिए आने वाले मैचों में खेलने के लिए तैयार हैं। गांगुली ने कहा, मुझे लगता है कि पृथ्वी भारतीय टीम की ओर से खेलने के लिए खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। मुझे नहीं पता कि उन्हें चयनकर्ता क्या करते हैं पर उनपर सभी की नजरें जरुर रहेंगी। पृथ्वी ने भारतीय टीम की ओर से अंतिम बार साल 2021 में खेला था। यह मैच उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ खेला था। इस मैच में उन्होंने 49 रन बनाए थे। इसके बाद से उन्हें एकदिवसीय टीम में कभी अवसर नहीं मिला। टी20 की बात करें तो उन्हें हाल में ही न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में शामिल किया गया था पर उन्हें एक भी मैच में अवसर नहीं मिला।

अपने तरीके से कप्तानी करेंगे : राणा

नई दिल्ली । श्रेयस अय्यर के चोटिल होने के बाद कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के कप्तान बने नितीश राणा ने कहा है कि वह अपनी ही तरीके से कप्तानी करेंगे और वह धोनी, रोहित या विराट की कप्तानी को फॉलो नहीं करना चाहते। राणा को आईपीएल में कप्तानी करने का कोई अनुभव नहीं है। उन्होंने आज तक किसी भी आईपीएल टीम के लिए कप्तानी नहीं की है। इससे पहले जब केकेआर के नए कप्तान राणा से पूछा गया कि घरेलू क्रिकेट में आपने कप्तानी की है पर अगर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में देखें तो धोनी, रोहित और विराट में से किसे अपना आदर्श मानते हैं तो राणा ने कहा, मैं इनमें से किसी को भी फॉलो नहीं करता हूं और ना ही करना चाहता हूं। मैं अपने तरीके से खेल में आगे जाना चाहता हूं। मुझे पता है कि अगर किसी को फॉलो करना शुरू किया तो मैं पीछे हो जाउंगा। मैं इस लिए अपने तरीके से ही कप्तानी करूंगा।

डि कॉक और मार्क वुड जैसे खिलाड़ी बदल सकते हैं सुपर जायंट्स की किस्मत

मुम्बई ।

लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान लोकेश राहुल के खराब फर्म के कारण इस बार सुपर जायंट्स को प्रबल खिताबी दावेदार नहीं माना जा रहा है। इसके बाद भी टीम को कम नहीं आंका जा सकता क्योंकि उसके पास क्विंटन डि कॉक और मार्क वुड जैसे खिलाड़ी हैं। इसके साथ ही टीम के पास गौतम गंभीर जैसा जबरदस्त कोच है। गंभीर रणनीति बनाने में माहिर माने जाते हैं। राहुल की कप्तानी में लखनऊ सुपर जायंट्स गत सत्र में तीसरे स्थान पर रही थी। इस बार प्रशंसकों को लगता है कि दीपक हुड्डा, ऋणाल पंड्या, कृष्णप्पा गौतम, रोमारियो शेफर्ड और मार्कस स्टोइनिस जैसे ऑलराउंडरों के कारण टीम को जीत मिल सकती है। डि कॉक और राहुल के रूप में उनके पास एक अनुभवी सलामी जोड़ी है। क्विंटन डि कॉक हालांकि राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलने के कारण कुछ मैचों से बाहर रह सकते हैं। पावर-पैक बैटिंग लाइनअप का मतलब है कि वे बड़े स्कोर का पीछा कर सकते हैं और साथ ही एक सेट भी कर सकते हैं।

टीम की स्पिन गेंदबाजी कमजोर नजर आती है। इसमें उसके पास रवि बिश्नोई के अलावा अमित मिश्रा हैं। बिश्नोई हाल में खास प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। बीच के ओवरों में राहुल और निकोलस पूरन की अहम भूमिका रहेगी। टीम के पास तेजी गेंदबाज के तौर पर मार्क वुड जैसा गेंदबाज है। वह 150 किमी प्रति घंटे से अधिक की घड़ी की गति के लिए जाना जाता है।

लखनऊ टीम इस प्रकार है : केएल राहुल (कप्तान), आवेश खान, आयुष बदोनी, क्विंटन डि कॉक (विकेटकीपर), कृष्णप्पा गौतम, दीपक हुड्डा, प्रेरक मांकड़, काइल मेयर्स, अमित मिश्रा, मोहसिन खान, नवीन-उल-हक, ऋणाल पंड्या, निकोलस पूरन (विकेटकीपर)), रवि बिश्नोई, डेनियल सैम्स, करण शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, मार्कस स्टोइनिस, स्वप्निल सिंह, जयदेव उनादकत, मनन वोहरा, मार्क वुड, मयंक यादव, यश ठाकुर, युद्धवीर सिंह।

आईपीएल के कुछ मैचों से बाहर रह सके हैं रोहित, सूर्यकुमार को मिल सकती है कप्तानी

नई दिल्ली । 31 मार्च से शुरु हो रही आईपीएल के 16 वें संस्करण में आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को भी मुंबई इंडियंस की कप्तानी का अवसर मिल सकता है। इसका कारण यह है कि मुम्बई के कप्तान रोहित शर्मा पर काम का बोझ कम करने के लिए उन्हें कुछ मैचों में आराम दिया जा सकता है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी टीमों से कहा है कि वे भारतीय खिलाड़ियों की फिटनेस का ध्यान रखते हुए उन्हें पर्याप्त आराम का भी अवसर दें क्योंकि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल जून में है और वनडे विश्व कप अक्टूबर में है। ऐसे में बीसीसीआई अपनी खिलाड़ियों को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहता है। रोहित के बाहर रहने पर कप्तानी की जिम्मेदारी सूर्यकुमार को मिल सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार रोहित पहले भी चोटिल होते रहे हैं और अब वह अहम मैचों से बाहर नहीं रहना चाहते है। इसी को देखते हुए वह आईपीएल में कुछ मैच चुनेंगे और डग आउट से सूर्यकुमार का मार्गदर्शन करेंगे। रोहित ने पहले ही कह दिया था कि सभी खिलाड़ियों को अपने संबंधित आईपीएल फ्रेंचाइजी के लिए खेलते समय अपनी फिटनेस का ध्यान स्वयं रखना होगा जिससे वे राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलने के समय पूरी तरह से फिट रहें।रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में हार के बाद कहा था, यह सब अब फ्रेंचाइजी पर आधारित है। खिलाड़ी अब फ्रेंचाइजी के अंदर खेलेंगे। हमने टीमों को कुछ संकेत दिए हैं, लेकिन आखिरी फैसला फ्रेंचाइजियों पर निर्भर है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह खिलाड़ियों पर निर्भर है। वे सभी समझदार हैं; उन्हें अपने शरीर की देखभाल करनी है।

जेलों की सुरक्षा को लेकर सरकार हरकत में, नए 5जी टेक्नोलोजी के जामर लगाए जाएंगे

अहमदाबाद।

गुजरात की जेलों की सुरक्षा को लेकर गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने विधानसभा में महत्वपूर्ण बयान दिया है। संघवी ने कहा कि राज्य की जेलों में नए 5जी टेक्नोलोजी के जामनगर लगाए जाएंगे। जेलों में बंद 16 हजार कैदियों की सुरक्षा को देखते हुए यह जरूरी है। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में भी राज्य की जेलों में अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए छापेमारी की कार्यवाही जारी रहेगी। हाल ही में जेलों में छापेमारी से कैदियों में खौफ स्पष्ट दिख रहा है। राज्य की 17 जेलों में 1।00 जितने पुलिसकर्मियों ने लाइव जांच की। सर्च ऑपरेशन के दौरान 16 मोबाइल, 10 इलेक्ट्रिक वस्तुएं, 39 घातक सामान और 3 मादक पदार्थ बरामत हुए। रेड के दौरान 10 जेलों में धूम्रपान की वस्तुओं के अलावा रसोई के साधन और पेन ड्राइव भी मिली है। 17 में से 5 जेलों में कोई प्रतिबंधित वस्तु बरामद नहीं हुई। जिन जेलों से प्रतिबंधित वस्तुएं बरामद हुई हैं, उन मामलों की एसओजी जांच करेगी। गौरतलब है गत 24 मार्च को डीजीपी की ऑफीस में गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक हई थी। जिसमें राज्य के गृह सचिव, राज्य के पुलिस अधीक्षक, गृह और पुलिस विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के बाद देर रात अचानक राज्य की 17 जेलों में सर्च ऑपरेशन किया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के काफीले ने काफी बॉडी वोर्न कैमरे के साथ 17 जेलों में आकस्मिक जांच की। जिसका सीधा प्रसारण हो रहा था। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल सीएम डेश बोर्ड के जरिए लाइव सर्च ऑपरेशन देख रहे थे। जबकि गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी कमान्ड कंट्रोल रूम से ऑपरेशन पर नजर रख रहे थे। जेल ऑपरेशन को लेकर आज विधानसभा में चर्चा की गई।

गुजरात भाजपा के पूर्व विधायक सुनील ओझा बिहार के सह प्रभारी नियुक्त

अहमदाबाद।

भाजपा के पूर्व विधायक सुनील ओझा को बिहार में सह प्रभारी नियुक्त किए जाने से अब बिहार भाजपा संगठन में दो गुजरातियों की भूमिका अहम होगी। बिहार भाजप संगठन में महामंत्री के तौर पर भीखुभाई दलसाणिया पहले से कार्यरत हैं। बिहार भाजपा के सह प्रभारी नियुक्त किए गए सुनील ओझा वर्ष 2014 से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वाराणसी क्षेत्र के प्रभारी रहे हैं। सुनील ओझा भावनगर विधानसभा सीट से दो बार चुने गए। हांलाकि 200। में टिकट नहीं मिलने पर सुनील ओझा ने निर्दलीय चुनाव लड़ा था, लेकिन हार गए थे। बाद में वह महागुजरात जनता पार्टी में शामिल हो गए। वर्ष 2011 में सुनील ओझा की भाजपा में वापसी हुई और उसके बाद उनकी गिनती मोदी व शाह के करीबियों में होने लगी। 2014 के लोकसभा चुनाव में सुनील ओझा को अमित शाह के साथ उत्तर प्रदेश का सह प्रभारी बनाया गयाथा। सुनील ओझा को उत्तर प्रदेश की वाराणसी सीट पर प्रधानमंत्री के लिए चुनावी रणनीति और चुनाव संबंधित कार्यों का मुख्य प्रबंधक माना जाता है। 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में नरेन्द्र मोदी की जीत के लिए सुनील ओझा ने काफी मेहनत की थी। भाजपा हाईकमान ने सुनील ओझा को अब बिहार संगठन का सह प्रभारी नियुक्त किया है।

श्री श्याम मंदिर में 108 कन्याओं का हुआ पूजन

सूरत भूमि, सूरत। श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा नवरात्री की अष्ठमी के उपलक्ष में 108 कन्याओं का पूजन बुधवार को सवा ग्यारह बजे श्री श्याम मंदिर के अंजनी हॉल में किया गया । इस अवसर पर सभी कन्याओं की पूजा की गयी एवं उन्हें प्रसाद परोसा गया । ट्रस्ट द्वारा सभी कन्याओं को दक्षिणा के साथ जीवन उपयोगी सामान भी दिया गया । गुरुवार को रामनवमी के पावन अवसर पर मंदिर में बाबा श्याम को शाही स्नान करवाया जायेगा एवं बाबा का विशेष श्रृंगार किया जायेगा । इस अवसर पर दोपहर 12 बजे राजभोग का प्रसाद लगाया जायेगा और विशेष आरती की जायेगी ।

वेलस्पन फाउंडेशन फॉर हेल्थ एंड नॉलेज ने पारदी तालुका के अरनाला गांव में सौर ऊर्जा से चलने वाली भागीदारी सिंचाई प्रणाली का एक मॉडल स्थापित किया

सूरत भूमि, सूरत।

ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले और खेती करने वाले किसानों को आमतौर पर प्राकृतिक संसाधनों के अलावा भौतिक सुविधाओं की कमी के कारण कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। गुजरात के पारदी तालुका के अरनाला गांव के किसानों की भी सिंचाई के लिए ऐसी ही स्थिति थी, लेकिन वेलस्पन फाउंडेशन के वेल लीडरशिप प्रोग्राम के तहत, पारदी तालुका के अरनाला में 100 किसान परिवारों ने अपनी असिंचित सिंचाई के लिए सौर ऊर्जा आधारित सहभागी सिंचाई प्रणाली का एक मॉडल स्थापित किया है। भूमि और परिणामस्वरूप, पूरे कृषि क्षेत्र की स्थिति आज है। परिवर्तन आ गया है।

अरनाला गांव में कोलक नदी पर पानी और सिंचाई क्षमता बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा एक चेक डैम का निर्माण किया गया है। जिसमें साल भर पानी रहता है, लेकिन जल निकासी के साधन सीमित होने के कारण गांव के किसान इसका अधिक से अधिक लाभ नहीं उठा पाते और किसान केवल खरीफ सीजन में ही खेती करते थे और रबी सीजन में भीगी फसलों की ही खेती करते थे। यहां ऐसी व्यवस्था बनाने की जरूरत थी कि अगर उनके खेतों में नदी से पानी की आपूर्ति की जाए तो वे व्यावसायिक सब्जियों की खेती कर सकें, जिससे उनकी आमदनी भी कई गुना बढ़ सके। इसे ध्यान में रखते हुए, वेलस्पन फाउंडेशन फॉर हेल्थ एंड नॉलेज ने क्षेत्र में 100 किसानों के साथ सौर ऊर्जा संचालित भागीदारी सिंचाई प्रबंधन का एक मॉडल स्थापित किया है। समूह ने पानी और संसाधनों के उपयोग और प्रबंधन को नियंत्रित करने वाली नीतियां विकसित कीं और खेती की एक नई पद्धति शुरू हुई।

जिसके परिणाम स्वरूप आज 50 एकड़ सूखी खेती को सिंचित भूमि में बदल दिया गया है और लगभग 100 किसानों और महिलाओं ने कृषि के लिए पानी प्राप्त कर सब्जी की खेती शुरू कर दी है। वेलस्पन के सीएसआर हेड संजीव रंजन ने कहा, "वेलस्पन फाउंडेशन के वेल लीडरशिप प्रोग्राम का मुख्य उद्देश्य जल संचयन और प्रबंधन के अनुकरणीय मॉडल तैयार करना और ग्रामीण महिला किसानों की आजीविका को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाना है।"

मुख्यमंत्री और गृह राज्य मंत्री ने बेट द्वारका में समुद्री सुरक्षा कार्यों की समीक्षा की

अहमदाबाद ।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल एवं गृह मंत्री हर्ष संघवी ने व्यक्तिगत रूप से समुद्री सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण बेट द्वारका का दौरा किया तथा अवैध गतिविधियों को दूर करने के लिए तंत्र द्वारा किये गये कार्यों का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री और गृह राज्य मंत्री ने गुजरात के 1600 किमी के तट पर सुरक्षा की दृष्टि से इन महत्वपूर्ण पॉइंट तथा उन क्षेत्रों में पुलिस-राजस्व विभाग की कार्यवाही की समीक्षा भी की। ओखा से बेट द्वारका तक समुद्री यात्रा के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट के तहत निर्माणाधीन सिग्नेचर ब्रिज के कार्य का भी निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिग्नेचर ब्रिज का कार्य शीघ्र पूरा कर लिया जायेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार गुजरात में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्थापित सुरक्षा और शांति की मजबूत नींव को अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए संकल्पित है। विकास कार्यों मां बाधा डालने वाली अवैध गतिविधियों को आगे बढ़ने से रोका जाएगा और कानून के तहत सख्ती से दूर किया जायेगा । उन्होंने कहा कि सरकार लोगों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और इस तरह की अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने का अभियान ज़ारी रहेगा। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा इस तरह के कार्य दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सरकारी

योजनाओं के लाभ बिना बाधा के उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आगे स्पष्ट रूप से कहा कि गुजरात के 1600 किमी. लंबी समुद्री लाइन पर कोई अवैध गतिविधि नहीं की जाएगी। इन सभी समुद्र तटों की कड़ी सुरक्षा करने का संकल्प लिया गया है। इस यात्रा के दौरान गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में तटीय क्षेत्रों की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के लिए ये कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। जनहित में अवैध गतिविधियों पर कार्यवाही की गयी है और सख्त कदम उठाये गए है। समुद्री तट पर कोई अवैध गतिविधि नहीं की जाएगी।

पश्चिम रेलवे के न्यू भुज रेलवे स्टेशन को आइकॉनिक लैंडमार्क के रूप में किया जायेगा विकसित

अहमदाबाद ।

रेलवे स्टेशनों को न केवल सेवा के साधन के रूप में बल्कि एक परिसंपत्ति के रूप में बदलने और विकसित करने के माननीय प्रधानमंत्री के विज़न के अनुरूप भारतीय रेल ने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत अपग्रेडेशन और आधुनिकीकरण के लिए देश भर में 1275 स्टेशनों की पहचान की है। उल्लेखनीय है कि इनमें से 87 स्टेशन गुजरात राज्य में हैं। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार न्यू भुज रेलवे स्टेशन को भारतीय रेल द्वारा कच्छ के रण की थीम पर अत्याधुनिक स्मार्ट रेलवे स्टेशन के रूप में पुनर्विकसित किया जा रहा है। स्टेशन के डिजाइन को ग्रीन बिल्डिंग सर्टिफिकेशन के साथ स्मार्ट स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है। इससे सुखद वातावरण तैयार होगा। न्यू भुज स्टेशन का पुनर्विकास कार्य पश्चिम रेलवे द्वारा किया जा रहा है और कार्य तेज गति से प्रगति पर है। स्टेशन को 179.87 करोड़ रुपये की स्वीकृत लागत से एक अत्याधुनिक स्टेशन के रूप में पुनर्विकसित किया जा रहा है और इसे 24 महीनों में पूर्ण करने का लक्ष्य है। इस कार्य हेतु इंजीनियरिंग खरीद और निर्माण (ईपीसी) प्रदान किया जा चुका है तथा साइट सर्वे, जियो टेक्निकल इन्वेस्टिगेशन और यूटिलिटी मैपिंग का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। बैचिंग प्लांट लगाने और फैब्रिकेशन यार्ड का कार्य प्रगति पर हैं। प्रतीक्षालय आदि के स्थानान्तरण के लिए अस्थाई ढांचों का निर्माण इस माह के अंत तक पूर्ण कर लिया जायेगा। इसके बाद मुख्य भवन को ध्वसस्तक करने का कार्य किया जायेगा। यात्रियों को आगामी स्टेशन के बारे में एक विचार और अनुभव प्रदान करने के लिए भुज स्टेशन पर भविष्य के स्टेशन का एक लघु मॉडल प्रदर्शित किया गया है। इस योजना में अलग-अलग आगमन/प्रस्थान यात्री प्लाजा, स्टेशन परिसर में भीड़-भाड़ मुक्त और सुगम प्रवेश/निकास, भूमिगत पार्किंग व्यवस्था आदि शामिल हैं। प्लेटफॉर्मों पर भीड़भाड़ से बचने के लिए प्लेटफॉर्मों के ऊपर यात्री सुख-सुविधाओं से युक्त पर्याप्त कॉनकोर्स/प्रतीक्षा स्थान होंगे। स्टेशन का मुख्य भवन लगभग 970 वर्ग मीटर का होगा, जिसमें सर्कुलेशन, कॉनकोर्स और वेटिंग स्पेस के लिए पर्याप्त जगह होगी। कॉन्कोर्स एरिया 3240 वर्ग मीटर में फैला होगा। पूरे स्टेशन परिसर में वाई-फाई कवरेज उपलब्ध् होगा। रेलवे स्टेशन दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं से युक्त होगा, जिसमें 13 लिफ्ट और 10 एस्केलेटर शामिल हैं, जो इसे 100% दिव्यांग अनुकूल बनायेंगे। ऊर्जा, पानी और अन्य संसाधनों आदि के कुशल उपयोग के लिए सुविधाओं के साथ स्टेशन भवन हरित भवन होगा। बेहतर स्टेनशन प्रबंधन हेतु नया स्टे शन भवन अत्य त सोच-विचार कर डिज़ाइन की गई विशेषताओं से युक्तह अत्याधिुनिक सुरक्षा एवं संरक्षा व्येवस्थावओं से लैस होगा। लगभग 300 दोपहिया, 50 से ज्यादा चार पहिया और ऑटो रिक्शा को समायोजित करने के लिए पार्किंग सुविधा को अपग्रेड किया जायेगा। भुज गुजरात के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है जहां रण के प्रसिद्ध कच्छ उत्सव की मेजबानी की जाती है। यह त्योजहार दुनिया भर के पर्यटकों को रंगीन उत्सहव का गवाह बनने के लिए आकर्षित करता है। विभिन्न पर्यटन आकर्षणों के साथ इसे एक बेहतरीन पर्यटन स्थल बनाने के लिए काफी विकास किया जा रहा है। यह नया अत्याधुनिक स्टेशन भवन इस शहर का एक अतिरिक्त आकर्षण होगा। यह आधुनिक सुख-सुविधाओं के साथ हवाई अड्डे जैसे वातावरण के साथ यात्रियों और पर्यटकों का स्वागत करेगा।

चैत्र सूद अष्टमी के दिन होम-हवन किया गया और पूजा की गई

सूरत भूमि, सूरत। श्री सोमवंशीय सहस्त्रार्जुन क्षत्रिय समाज पंच सूरत दिनांक 29.03.2023 बुधवार की शाम ओम साईं जलाराम नगर, उधना स्थित श्री सहस्त्रार्जुन समाज की वाडी में चैत्र सूद आठवीं के दिन शाम को होम-हवन कर पूजा की गई। इस हवन में दीपकभाई मकवाने, शैलेशभाई मकवाने व संजयभाई बिचवे सजोड़ पूजा अर्चना की, जिसमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, समाज के नेता व समाज के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

मोटोरोला ने लॉन्च किया मोटो जी13 - यह शानदार फोन असाधारण, प्रीमियम डिजाइन, 128 जीबी स्टोरेज,लेटेस्ट एंड्रॉइड 13 तथा और भी अन्य खूबियों के साथ सिर्फ 9,999 रुपए की कीमत में फ्लिपकार्ट पर

नई दिल्ली । आज, मोटोरोला ने अपनी 'जी' सीरीज की फ्रेंचाइजी में अपने नये स्मार्टफोन मोटो जी13 को लॉन्च करने की घोषणा की, जिसे बेहद किफ़ायती कीमत पर बेजोड़ एक्सपीरियंस के साथ प्रीमियम और मॉडर्न डिज़ाइन देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। स्मार्टफोन में ऐक्रेलिक ग्लास (पीएमएमए) की बॉडी तथा अल्ट्रा-थिन और प्रीमियम डिज़ाइन के फीचर्स मौजूद है। कैमरा हाउसिंग से शुरू करते हुए हर डिज़ाइन के डिटेल पर बड़ी ही बारीकी से ध्यान दिया गया है और बेहद सोच-समझकर तैयार किया गया है - एक्सपीरियंस करने को लेकर यह वाकई में बेहद आकर्षक है। इसकी स्लिम प्रोफाइल और लाइटवेट बॉडी इसे केरी करने में आसान बनाता है, साथ ही इसका वाइब्रेंट कलर भी इसे भीड़ से काफी अलग करता हैं। इसके अलावा, फ़िंगरप्रिंट सेंसर को फ़ोन के किनारे की तरफ पर रखा गया है जो कि इसे काफी एक्सेसिबल बनाने के साथ साथ इसे एक स्ट्रीमलाइन्ड लुक बनाए रखने में भी मदद करता है।मोटो जी13 में 4जीबी एलपीडीडीआर 4एक्स रैम के साथ मैसिव 128जीबी की स्टोरेज मौजूद है जो कि लेटेस्ट नियर स्टॉक एंड्रॉइड 13 के साथ आता है। मोटोरोला अपने सभी कंज्यूमर्स के लिए शानदार सॉफ्टवेयर एक्सपीरियंस करने को एंड्रॉइड 14 और 3 साल के सिक्योरिटी अपडेट के अपग्रेड का भी आश्वासन देता है। यह डिवाइस 64जीबी के स्टोरेज वैरिएंट में भी उपलब्ध है। मीडिया टेक हीलियो जी85 प्रोसेसर द्वारा संचालित, मोटो जी13 अपने पूर्ववर्तियों और सेगमेंट में मौजूद तमाम फोनों की तुलना में काफी फास्ट और अधिक एफिशिएंट है। इन सब के अलावा अब इसके गेमिंग या मल्टीटास्किंग के दौरान यूजर्स स्मूद और लैग-फ्री परफॉर्मेंस की उम्मीद कर सकते हैं।

फोटोग्राफी के एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने के लिए मोटो जी13 में 50एमपी का क्वाड पिक्सल कैमरा सिस्टम है, जो कि आपको अविश्वसनीय रूप से शानदार एवं डिटेल्ड पिक्चर्स लेने की सुविधा देता है, जो कि आपके सोशल मीडिया हैंडल पर प्रदर्शित होने के लिए तैयार हैं। इसके एडवांस्ड कैमरा सिस्टम की बदौलत, अब आप किसी भी मोमेंट को लास्टिंग मेमोरी में बदलने के लिए शार्पर, वाइब्रेंट इमेजेज के लिए 4 गुणा बेहतर लो लाइट सेंसिटिविटी हासिल कर सकते है। इसके साथ ही अब आप इनक्रेडिबल डिटेलिंग के जरिये विविड कलर्स के साथ सुंदर तस्वीरें तथा वीडियोज़ कैप्चर कर सकते हैं। अब चाहे आप अपने पसंदीदा पलों को कैप्चर कर रहे हों या लैंडस्केप शूटिंग कर रहे हों, मोटो जी13 हर बार आपको एक्सेप्शनल क्वालिटी (असाधारण गुणवत्ता) प्रदान करता है। इसके अलावा, कैमरे पर नाइट विजन मोड रात में या बेहद कम रोशनी वाले परिदृश्यों में भी शानदार तस्वीरें लेने की अनुमति प्रदान करता है। इन सब के बीच मोटो जी13 में सोशल मीडिया को ध्यान में रखते हुए सेल्फी लेने के लिए 8 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा भी है।

भारत के देशी फैशन ब्रांड हार्बर 9 ने जलवायु परिवर्तन से बचने के लिए सस्टेनेबल क्लोदिंग लाइन लॉन्च की

सूरत।

वैश्विक स्तर पर परिधान अपशिष्ट प्रबंधन के बढ़ते मुद्दों के कारण और कैसे वे तेजी से फैशन के रुझान के कारण वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में 10% योगदान करते हैं, हार्बर 9 - भारत में घरेलू प्रीमियम परिधान ब्रांड ने अपने परिधान रेंज को और अधिक टिकाऊ बनाने के लिए सावधानीपूर्वक निवेश किया गया हैं। पूरे परिवार के लिए टिकाऊ आउटडोर आकस्मिक परिधान की एक श्रृंखला पेश करते हुए, हार्बर 9 पुरुषों के लिए स्वेटशर्ट और टीज़ बनाने के लिए पुनर्नवीनीकरण, टेलरिंग-स्क्रैप-निर्मित यार्न का उपयोग कर रहा है, महिलाओं के लिए टॉप और 0-12 आयु वर्ग के बच्चों के लिए ठोस और पैटर्न वाली टीज़।

पुनर्जीवित यार्न से कार्बनिक सूती कपड़े का उपयोग न केवल भविष्यवादी फैशन ब्रांड पॉलिएस्टर फाइबर को पीईटी बोतलों से नए युग के कपड़ों में बदलने का एक तरीका भी अग्रणी है। प्लास्टिक माइक्रोफाइबर से महासागरों में जैव विविधता को होने वाले नुकसान को देखते हुए, Harbour9 का नया दृष्टिकोण नैतिक उपयोग के लिए प्लास्टिक माइक्रोफाइबर का उपयोग करने के लिए महासागरों से 50 बिलियन तक डंप की गई प्लास्टिक की बोतलों का उपयोग करने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

पुनर्नवीनीकरण सामग्री के सचेत अनुपात का उपयोग करके बनाया गया, Harbour9 के रेडी-टू-होम उत्पाद वर्तमान फैशन प्रवृत्तियों को बनाए रखते हुए न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभाव सुनिश्चित करने के लिए पहले से रंगे हुए हैं। उनके दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, हार्बर 9 प्लस-साइज विकल्पों में अपनी टिकाऊ कपड़ों की रेंज भी उपलब्ध करा रहा है। डिजाइन और स्वभाव में ट्रेंडी, ब्रांड आकस्मिक आउटडोर पहनने से लेकर फिटनेस के प्रति उत्साही लोगों के लिए प्रदर्शन गियर तक प्रीमियम और लागत प्रभावी पर्यावरण के अनुकूल कपड़ों की एक श्रृंखला पेश करेगा।

हार्बर 9 के निदेशक मनोज जैन ने पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के लिए सस्टेनेबल वियर की नई लॉन्च की गई रेंज के बारे में कहा, "ग्लोबल वार्मिंग के कारण जलवायु परिवर्तन मानव जाति के लिए बुनियादी बातों पर वापस जाने और अपनी जीवन शैली को बदलने के लिए चिंता का एक प्रमुख कारण है, टिकाऊ होना। मनुष्यों की बुनियादी जरूरतों में से एक, कपड़े हाल के वर्षों में इतनी तेजी से बढ़े हैं कि इसने तेजी से फैशन को अपनाया है और पशु क्रूरता और तेजी से बढ़ते लैंडफिल में लिप्त होने से पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। अपव्यय के नकारात्मक प्रभाव और जलवायु परिवर्तन पर इसके प्रभाव से बचने के लिए, हम Harbour9 में टिकाऊ कपड़ों की इस श्रृंखला के साथ आए हैं जो नैतिक रूप से स्रोत हैं। पुरुषों के कपड़ों और महिलाओं के टिकाऊ कपड़ों की रणनीतिक कीमत 899 रुपये और बच्चों के लिए 599 रुपये से शुरू होती है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)